अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 17 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिको ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुन: परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

पुलिस ने की प्रियंका गांधी को धरने से उठाने की कोशिश, एक पर्ची लिख कर दिया लाजवाब

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पर मौन धरना दिया। भीषण उमस और गर्मी के बीच प्रियंका गांधी महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे बैठी रहीं। इस बीच पुलिस ने उनको कोविड दिशा निर्देशों का हवाला देकर उठाने की कोशिश की। प्रियंका ने एक पर्ची लिखकर पुलिस को पकड़ा दी। इसमें लिखा था...कोविड तो पंचायत चुनाव के समय भी था। इसके बाद पुलिस उनके पास नहीं आई। अपने धरने के दौरान प्रियंका गांधी ने यूपी की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया। जीपीओ पहुंचते ही पहले उन्होंने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रियंका के आते ही कांग्रेसियों का जोश दूना हो गया। यहां शहर के अलावा दूसरे जिलों से भी कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आए थे जो बार बार गगनभेदी नारे लगा रहे थे।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जन कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मिशन 2022 फतह का दिया मंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को दिल्ली से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए नेताओं-कार्यकर्ताओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं बलबूते 'मिशन-2022' फतह करने का मंत्र दिया।भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर हुई प्रदेश कार्यसमिति की एक दिवसीय बैठक में नड्डा ने केंद्रीय योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि सरकार के कार्यों को जमीन पर उतारने में अपनी भूमिका निभाएं। ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनोपयोगी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। नड्डा ने यूपी के सांस्कृतिक व राजनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बीते सात वर्षों में देश में विकास की अलख जगी है। आगे भी इसे बरकार रखना हम सभी की

जिम्मेदारी है।नड्डा ने पीएम मोदी द्वारा वाराणसी में सीएम योगी के कामों की तारीफ का जिक्र करते हुए कहा कि यूपी के अस्पतालों में बड़े पैमाने पर आक्सीजन प्लांट लग रहे हैं। उन्होंने सांसदों, विधायकों व पार्टी पदाधिकारियों से भी प्लांट लगाने की व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। कोविड प्रबंधन पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए नड्डा ने कहा कि कि इतिहास गवाह कि टीबी, प्लेग, पोलियो, चिकनपॉक्स, स्माल पॉक्स जैसी बीमारियों का टीका पूरे विश्व में लगने के बाद भारत को दिया गया था। जबकि मोदी सराकार ने कोरोना जैसी घातक बीमारी का टीका मात्र 9 महीने में तैयार कर वैक्सीनेशन शुरू करा दिया था। नड्डा ने ऑक्सीजन की जरूरत से ज्यादा मांग और ओछी राजनीति का जिक्र कर बिना नाम लिए आम आदमी पार्टी को आड़े हाथों लिया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहला मौका है जब प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यकर्ताओं को यह समझना और जनता को भी समझाना होगा कि यूपी किस तरह से तुष्टिकरण की राजनीति जाल में फंसा हुआ था। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के जाल में जकड़ा हुआ था लेकिन पिछले चार वर्षों में एक विकासशील प्रदेश बन गया है। उन्होंने जिला पंचायत और ब्लाक प्रमुख चुनाव में बंपर जीत के लिए कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि सपा-बसपा को सिरे से नकारकर जनता ने हमें काम करने का संदेश दिया है। हमें जिम्मेदारी समझते हुए पूरी ताकत से जुटना होगा।

छोटे दिल वाले नहीं संभाल सकते इतना बड़ा प्रदेश

नड्डा ने नाम लिए बगैर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यूपी की सत्ता का सपना देखने वाले नेता कोरोना काल में भी राजनीति से बाज नहीं आ रहे थे। वैज्ञानिकों ने कड़ी मेहनत से जिस कोरोना वैक्सीन को मात्र 9 महीने में तैयार कर दिया, उसे वह भाजपा का वैक्सीन बताकर मजाक उड़ा रहे थे। पहले उनके पिताजी और बाद में उन्होंने खुद वैक्सीन लगवाई तो कुछ बदले। इस तरह के बयानों से उन्होंने अपना स्तर बता दिया। जिसकी सोच और दिल इतना छोटा हो, वह इतना बड़ा प्रदेश कैसे संभाल सकता है? राजनीति के जो पॉलिटिकल टूरिस्ट हैं वे पॉलिटिक्स को भी टूरिज्म की तरह ही देखते हैं। ये सत्ता में सेवा के लिए नहीं आते।

भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति समझाते हुए कहा कि सरकार और जनता के बीच संगठन को सेतु बनकर काम करने की रणनीति पर चलना होगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, स्वामित्व योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्ट्रीट वेंडरों के लिए आर्थिक मदद की योजना की उपलब्धियों को तथ्यों सहित बताकर कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि इन योजनाओं का लाभ जनता को बताएं और आखिरी व्यक्ति को दिलाएं। उन्होंने हर व्यक्ति का टीकाकरण कराने की जिम्मेदारी भी कार्यकर्ताओं को दी है।

बजट बढ़ाकर दी विकास को गति

नड्डा ने योगी सरकार द्वारा बजट का आकार बढ़ाने को एक साहसी कदम बताते हुए कहा है कि ऐसा करके योगी ने प्रदेश के विकास को गति दी है। 2014 में यूपी का बजट 2 लाख करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह 2014 में वाणिज्य कर की वसूसी लगभग 12000 करोड़ रुपये थी

पीएम मोदी से मिलने वालो मे प्रयागराज के अमरनाथ भी

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। वाराणसी दौरे पर आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली प्रस्थान के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से बाबतपुर वाराणसी एयरपोर्ट पर मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।इस दौरान प्रयागराज जनपद के वरिष्ठ भाजपा नेता वाराणसी लोकसभा सीट के सह-संयोजक व काशी प्रान्त के उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव सहित काशी क्षेत्र के अन्य पदाधिकारी भी रहे।मुलाकात के बाद अमरनाथ यादव ने कहा प्रधानमंत्री जी हम सब प्रेरणास्रोत है उनसे मिलने के बाद नई ऊर्जा का संचार हो जाता है।इस विश्वव्यापी कोरोना महामारी में जिस तरह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश का नेतृत्व किया अद्वितीय है।प्रधानमंत्री से मिलकर सभी अभिभूत थे।

राजेश प्रताप सिंह बने बहरिया ब्लाक के प्रधान संघ के अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

बहरिया। विकासखंड बहरिया के सभागार में शुक्रवार दोपहर में प्रधानों की एक सभा आयोजित की गई।इस सभा के माध्यम से सभी प्रधानों ने सर्वसम्मति से बाबू राजेश प्रताप सिंह को जो कि वर्तमान में ग्रामसभा बड़ौरा से दूसरी पंचवर्षीय योजना के लिए प्रधान पद हेतु चुने गए को अपने ब्लॉक के प्रधान संघ का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना।

इस कार्यक्रम में आये जिला प्रधान संघ के अध्यक्ष विजय सिंह पटेल (एडवोकेट उच्च न्यायालय) इन्होंने प्रधान संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर राजेश प्रताप सिंह को अपनी ओर से एवं जिला प्रधान संघ की ओर से एक प्रमाण पत्र देते हुए बधाई दी।

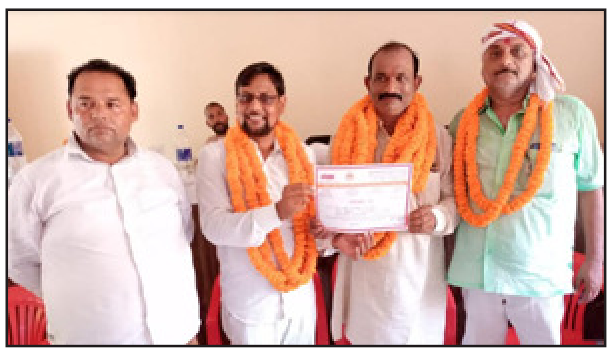

इस मौके पर आनंद प्रकाश मिश्र पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष बहरिया एवं बृजेश कुमार पांडे प्रधान बकसेडा के साथ-साथ सुनील कुमार यादव राम सवारी वीरेंद्र प्रताप सिंह राम पूजन पटेल ज्ञान चंद पटेल सीमा मौर्या सुरेश कुमार पटेल शिव बाबू साहू दिनेश कुमार यादव प्रेमचंद अंकण कुमार सिंह कमलेश सिंह रामकरण मोहिस फातमा सुभाष चंद्र राजेश प्रताप सिंह विजय कुमारी सुखराज जी फूला देवी जमुना देवी प्रताप बहादुर रामकली शांति देवी देवेश प्रताप यादव महिमा मिश्रा शारदा देवी अखिलेश पटेल आशुतोष यादव आदि प्रधान मौजूद रहे।

करछना तहसील के अधिवक्ताओं का हड़ताल जारी

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील करछना के अधिवक्ताओं का हड़ताल जारी है विगत 10 दिनों से अधिवक्ता उप जिलाधिकारी करछना के पेशकार की कार्यशैली एवं तहसील में अधिवक्ताओं की फाइलों का निस्तारण ना होना एवं लेखपालों की कार्यशैली से नाराज होकर हड़ताल पर हैं जिसकी वजह से तहसील का कामकाज प्रभावित हो रहा है और वादकारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । बार एसोसिएशन के महामंत्री हंसराज सिंह ने बताया कि जब तक अधिवक्ताओं की मांगें पूरी नहीं की जाएगी तब तक करछना तहसील में अधिवक्ताओं का हड़ताल जारी रहेगा एवं 19 जुलाई को करछना तहसील में तालाबंदी की जाएगी ।

नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को दिया गया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

करछना। शुक्रवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना अंतर्गत नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक करछना नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों की समूह बनाकर कुल 20 ग्राम प्रधानों को क्षेत्र के बीरपुर गांव स्थित पंचायत भवन में ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। जिसमें गांव में होने वाले विकास कार्य मनरेगा के अंतर्गत किए जाने वाले कार्य, पौधरोपण, गांव में साफ सफाई, खेल मैदान, पेयजल की समस्या के प्रति ग्राम विकास अधिकारी अमित यादव ने विस्तार पूर्वक निर्वाचित ग्राम प्रधानों को जानकारी दीया। साथ ही ग्राम प्रधानों से अपील किया गया कि अपनी-अपनी ग्राम सभाओं में चहुमुखी बेहतर कार्य करें। इस मौके पर रवि पटेल, पवन निषाद, शिवराम निषाद, कृष्णा कली, राजा बाबू, प्रेमचंद्र, शशि प्रताप आज ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

64 जिले सूखे की चपेट में सरकार सूखाग्रस्त धोषित करें : उज्जवल रमण सिंह

बिजली कटौती से जनता त्रस्त, बिजली नहीं तो बिल नहीं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में कम वर्षा की वजह से किसान धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं इसलिए नहरों को पुरी क्षमता से चलाया जाय।उक्त बातें समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विधायक उज्जवल रमण सिंह ने जमुनापार के कई गांव का दौरा करने के दौरान किसानों द्वारा अपनी समस्या से अवगत होते हुए कहीं उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रयागराज ही नहीं उत्तर प्रदेश के लगभग 64 जिले सूखे की चपेट में है जिसकी वजह से किसानों को बहुत नुकसान हो रहा हैं इसलिए सरकार तत्काल सर्वे करा कर कम वर्षा वाले जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को राहत पहुंचाने की कोशिश करें।

विधायक ने कहा कि बिजली नहीं तो बिल नहीं उन्होंने कहा कि आज करछना सहित जमुनापार मे बिजली कटौती से जनता त्रस्त हो गई हैं इस भीषण गर्मी में जीना मोहाल हो गया है वर्षा हो नहीं रही हैं जिनके पास निजी साधन हैं वो भी विधुत कटौती से धान की रोपाई नहीं कर पा रहे।

सपा जिला उपाध्यक्ष विनय कुशवाहा ने बताया कि विधायक उज्जवल रमण सिंह ने क्षेत्र का दौरा कर किसानों की समस्या का समाधान के लिए अधिकारियों से वार्ता कर चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह में नहर और बिजली व्यवस्था दुरुस्त करें नहीं तो जनांदोलन होगा क्योंकि जनता बहुत परेशान हैं और अधिकारी मस्त हैं।दौरे में करछना प्रमुख कमलेश द्विवेदी,तुलसी राम. यादव अमिताभ पाण्डेय, लल्लन यादव,प्रधान विनय यादव,माधव यादव,बरछी बहादुर,दुधनाथ यादव,रामानंद यादव आदि रहे।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

बहरिया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा सराय गंभीर दास उर्फ बीबीपुर में शुक्रवार की सुबह दो पक्षों में गाली गुप्ता होते हुए मारपीट हो गई। जिसमें महराजी पतनी स्वर्गीय रामफेर यादव उम्र लगभग 59 वर्ष जो विधवा है।अपने शहन दरवाजे पर बाउंड्री वाल बना रखी थी।जिसको पड़ोस के कविता पतनी वीरेंद्र कुमार और उसके परिजनों ने मिलकर महराजी की बाउंड्री वाल को तोड़ कर अपना कब्जा करने लगी।जिसमें महराजी ने विरोध किया तो कविता और उसके परिजनों ने धक्का देकर गिरा दिया और मारा-पीटा जिसमें उसको गंभीर चोट आई। दोनों पक्षों ने लिखित तहरीर बहरिया थाने में दी।वहीं थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा का कहना है।कि प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी मैलहा भेज दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

शंकरगढ़ थाना में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न, लगा शिकायतों का अंबार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। सावन माह और बकरीद के मद्देनजर आयोजित पीस कमेटी की बैठक भारी अव्यवस्थाओं के बीच संपनन्न हुई। दोपहर एक बजे जनपद के शंकरगढ़ थाने में हुई पीस कमेटी की बैठक में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली, साथ ही समस्याओं का भी अंबार दिखा। खुले में हुई बैठक में लोग गर्मी से भी परेशान नजर आए। बैठने का उचित प्रबंध न होने के कारण ज्यादातर लोगों को खड़े होकर अपनी बात कहने के लिए मजबूर होना पड़ा।उपजिलाधिकारी बारा सौम्या गुरुरानी और क्षेत्राधिकारी बारा अवधेश शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में तमाम क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। जिसमें लोगों ने मौजूदा समय के मद्देनजर

बिजली, पानी और साफ-सफाई की समस्याएं गिनाई। लोगों ने बताया कि शंकरगढ़ कस्बे में पिछले सप्ताहभर से पेयजलापूर्ति ठप है। इससे लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। इस पर एसडीएम बारा ने कहा कि समस्या के निस्तारण के लिए कह दिया गया है। जल्द ही यह समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा लोगों ने विद्युत कटौती और कस्बे की साफ-सफाई की शिकायत की। इस पर एसडीएम ने इसका भी आश्वासन दिया।एसडीएम ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है। इसके मद्देनजर लोग पूरी सावधानी बरतें और घर के बाहर मास्क लगाकर निकले, शारीरिक दूरी का पालन करें। कोरोना का खतरा अभी भी पूरी तरह से टला नहीं है। एहतियात बहुत जरूरी है।

शौच को गई किशोरी का अपहरण, अपहर्ता गिरफ्तार

अपहर्ता ने पुलिस को बताया की किशोरी को साथ में ले जाते समय रास्ते में अन्य दो युवकों ने कर लिया अगवा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के एक गांव में शौच को गई किशोरी को एक दबंग युवक ने अपहरण कर किशोरी को ठिकाने पर रख किशोरी के घर पर आकर स्वयं अपहरण किए जाने की बात कह पुलिस से ना बताने की धमकी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस अपहर्ता को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी अभी बरामद नहीं हो सकी है। इलाके के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी गुरूवार की सायंकाल घर से कुछ दूर खेत की ओर शौच को गई तो गांव का ही एक युवक किशोरी को अपहरण कर लिया। इधर घंटो बाद भी किशोरी वापस नहीं आई तो परिजन आशंकित हो खोजबीन करने लगे। इस बीच देर रात अपहर्ता स्वयं किशोरी के घर पहुंच स्वयं किशोरी की अपहरण करने की बात कह पुलिस से ना बताने की धमकी दी। पीडि़त परिजन चुपके से पुलिस को मामले की सूचना दे दी। पुलिस पहुंच अपहर्ता को गिरफ्तार कर पुछताछ करने लगी।

पुलिस थाने में ले जाकर अपहर्ता से पूछताछ करने लगी तो अपहर्ता ने अजीब कहानी बता पुलिस को गुमराह करने लगा। पुलिस को बताया कि किशोरी को अपहरण कर अप्पे से शहर की ओर जाते समय जैसे ही नैनी के मामा भांजा तालाब पहुंचा तो अप्पे मे सवार अन्य दो युवक हमें मारपीट मोबाइल छीन अप्पे से उतार किशोरी को अप्पे से लेकर भाग निकले। हालांकि पुलिस को अपहर्ता के इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा। मामले में पुलिस किशोरी को बरामद करने में जुटी हुई है।

मासूम श्रद्धा भारतीया हत्या मामले में पुलिस ने किया खुलासा, एक अभियुक्त गिरफ्तार एक फरार

अखंड भारत संदेश

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत चकिया घरहरा गांव में बीते 3 जुलाई को बलवंत भारतीया की 11 वर्षीय मासूम श्रद्धा भारतीया की हत्या के मामले में पुलिस ने अब तक अब जांच पड़ताल में हत्या की खुलासा करते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना सराय इनायत राकेश कुमार चौरसिया पुआ चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह ने मय हमराहीयों के साथ तलाशी के दौरान सहसों बाजार से फरार होने की फिराक में अपराधी विक्रम सिंह पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर सिंह 52 वर्षीय निवासी चकिया घरहरा थाना सराय इनायत को शुक्रवार सुबह 7:30 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किया गया अपराधी विक्रम सिंह ने अपने इकबालिया जुर्म को कबूलते हुए बताया कि घरहरा गांव के ही बलवंत भारतीया की पतनी शकुंतला देवी जो मेरे ही गांव की रहने वाली है पहले से मेरा व शकुंतला का प्रेम

प्रसंग चल रहा था। 2- 3 जुलाई की रात को मैं तथा अर्जुन उर्फ राजेंद्र उर्फ राजू पटवा पुत्र सरजू प्रसाद पटवा जो कि हमारे ही गांव का निवासी है। रात में मेरे क्लीनिक पर मुर्गा बनाकर शराब व गांजा पीकर खाना खाकर क्लीनिक पर ही सो गया। करीब 3 बजे रात्रि/भोर मैं मेरे द्वारा शकुंतला को पहले से ही बुलाया गया था। परंतु वह अपने छोटे पुत्र मनदीप व पुत्री श्रद्धा के साथ आम बीनने के बहाने बाग में आई थी। थोड़ी दूर पर उसकी लड़की श्रद्धा आम बीन रही थी और लड़का थोड़ी दूर पर शौंच कर रहा था। मौका निकाल कर उसी बाग में कुंदन सिंह के घर के पीछे मैं व मेरा साथी अर्जुन उर्फ राजेंद्र उर्फ राजू पटवा पुत्र सरजू प्रसाद पटवा आए अर्जुन पटवा थोड़ी दूर पर खड़ा था और मैं शकुंतला के साथ पेंड़ की आड़ में आपसी मेल मिलाप कर रहा था। इसी बीच उसकी लड़की श्रद्धा ने टॉर्च जलाकर देख लिया उसी बीच शर्म के मारे शकुंतला अपने छोटे बेटे मनदीप को सोच के बाद घर छोड़ने चली गई मैं अपनी इज्जत व मान सम्मान को बचाने के लिए उसकी लड़की श्रद्धा कहीं अपने गांव घर के लोगों को इस हरकत के बारे में बता न दे जिसके कारण मैं तथा मेरा साथी उसी बाग में श्रद्धा को पकड़कर मुंह नाक गला दबा दिए जिससे दम घुटने से श्रद्धा की मृत्यु हो गई हम दोनों लोग उसकी लाश को छिपाने के लिए उसी बाग से कुछ दूरी पर महुआ के लड़के पास घास व झुरमुट वाले

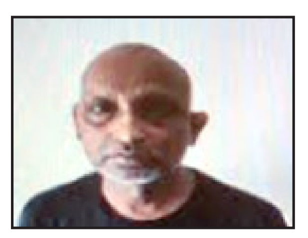

तालाब में लाश को छिपा दिए। हालांकि इस संबंध में परिजनों ने थाने में जाकर गुमशुदगी भी दर्ज करा दी थी। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के पास से 12 सो रुपए नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरा अभियुक्त अर्जुन उर्फ राजेंद्र उर्फ राजू पटवा पुत्र सरजू प्रसाद पटवा निवासी चकिया घरहरा फरार हो गया है। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा जारी है।

कौंधियारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई वांछित अपराधियों में मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

जारी /प्रयागराज। एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के मार्गदर्शन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बलात्कार का 1 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार कौंधियारा थाना अंतर्गत कौंधियारा थानाध्यक्ष प्रिंस दीक्षित के कुशल नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रेम मय पुलिस बल के द्वारा मु0अ0सं0 162/2021 धारा 323/504/376 भा0द0वि0 से सम्बन्धित बलात्कार का वांछित अभियुक्त सात्विक पुत्र चंद्रमा प्रसाद उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम छतहरा तरहार थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को हिरासत में लेकर उपरोक्त अभियुक्त को नियमानुसार न्यायालय भेजा गया गिरफ्तार करने वाली टीम उपनिरीक्षक प्रेम शंकर कांस्टेबल अनंत चौधरी।

अपने कौशल को निखारने का काम निरंतर करते रहें युवा

सहसों। विश्व युवा कौशल दिवस पर सहसों में गुरुवार को युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित ग्राम प्रधान सहसों विष्णू केसरवानी ने कहा नई पीढ़ी के युवाओं का कौशल विकास एक राष्ट्रीय जरूरत है और आत्मनिर्भर भारत का बहुत बड़ा आधार है बीते वर्षो में जो आधार बना है जो नए संसाधन बने हैं उसकी पूरी ताकत जोड़कर हमें नए सिरे से स्किल इंडिया मिशन को गति देनी चाहिए। आज दुनिया में कौशल की इतनी मांग है जो कुशल होगा वही सफल होगा इसलिए हमेशा युवा कौशल विकास के महत्व को समझें और आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाएं। इस अवसर पर संस्था के प्रमुख चन्द्र प्रकाश ने कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को बताया कि आज के आधुनिक परिवेश में हस्त कौशल का बहुत ही अधिक महत्व है। इसलिए हर युवा को कौशल युक्त होना होगा। तभी हम दुनिया में सबसे आगे खड़े हो सकेंगे।

संगोष्ठी में प्रमुख रूप से रूप से इंजीनियर बद्री प्रसाद सिंह, श्याम सिंह, सचिव राज कुमार सिंह, दिलीप कुमार, अभिनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

वृक्ष एव बेटियां दोनो ही समाज व राष्ट्र के लिए वरदान : डॉ नेहा वर्मा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर।वृक्ष एवम बेटियां दोनों ही समाज एवम राष्ट्र के लिए वरदान हैं। इन दोनों के बिना संसार मे खुशहाली एवम प्रगति सम्भव नहीं हैं इसलिए समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है बेटियों को आगे बढ़ने का समुचित संसाधन एवम सहयोग प्रदान करें। आगे चलकर यही बेटियां राष्ट्र के निर्माण मे अपनी अहम भूमिका निभाती हैं। साथ ही परिवार को गौरवान्वित भी करती हैं। इसी प्रकार वृक्ष धरा के आभूषण हैं बिना पेड़ो के जीवन की कल्पना करना मुश्किल हैं। अतएव हम सभी लोगों को अधिक से अधिक मात्रा मे पेड़ लगाने एवम संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए उक्त बातें क्षेत्र के विभिनन्न गावों मे वृक्षारोपण करते हुए महामाया मेडिकल कॉलेज, अम्बेडकर नगर की प्रोफेसर डॉ नेहा वर्मा नें वृक्षारोपण के दौरान व्यक्त की। इस अवसर पर श्रीमती वर्मा नें यह भी जानकारी प्रदान करते हुए बोली कि उनके नेतृत्व मे एवम मेडिकल एशोशियन प्रयागराज के सहयोग से अब तक 10हजार से अधिक की तादाद मे आम, कदम्ब, पीपल, लीची, जामुन इत्यादि के पौधे रोपे जा चुके हैं। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान की आगामी 24जुलाई को सैदाबाद ब्लाक के महटीकर मे हजारों की तादाद मे पौधे, बेटियों को लैपटाप सहित सोलर उपक्रम का उदघाटन किया जाएगा।

बीरपुर गांव के पंचायत भवन में प्रधानों का प्रशिक्षण सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

करछना। विकासखंड करछना के बीरपुर गांव के पंचायत भवन में लगभग डेढ़ दर्जन नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का शुक्रवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में करछना विकासखंड के सेक्रेटरी के द्वारा नवनिर्वाचित प्रधानों को ग्राम सभा में सरकारी योजनाओं का लोगों तक किस तरह सुविधाएं प्रदान करना है एवं मनरेगा से कार्य कराने के तरीके सहित गांवों में विकास के शिखर तक ले जाने में सहयोग प्रदान करने संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। लैपटॉप के माध्यम से ग्राम विकास अधिकारी अमित कुमार ने प्रधानों को प्रशिक्षण दिया जिसमें वीरपुर, बस्तर, देवरी कला ,महेवा ,कटका, खांई, कचरी, मेडरा ,अंतहिया , रोकड़ी, रैपुरा सहित लगभग डेढ़ दर्जन गांव के प्रधानों को प्रशिक्षित किया गया ।

बहरिया पुलिस ने दो मंदबुद्धि युवकों को मिलाया परिजनों से

बहरिया। स्थानीय थाना अंतर्गत करनाईपुर बाजार के बगल लक्ष्मणपुर गांव में बुधवार की देर रात गांव में इधर-उधर घूम रहे दो मंदबुद्धि युवकों को ग्राम वासियों ने चोर समझकर पकड़ लिया और बहरिया थाने में सूचना दी।सूचना पाकर थाने के एसआई शेषनाथ भारती मय हमराही मौके पर जाकर दोनों युवकों को अपने साथ बहरिया थाने लाकर पूछताछ किया। जिसमें एक युवक ने अपना नाम मोहम्मद गनौर शाह उर्फ अब्दुल गनी शाह पुत्र याकूब शाह निवासी पुरखो पट्टी थाना बहादुरपुर जनपद दरभंगा बिहार और दूसरे ने राहुल साहनी पुत्र शिवचरण निषाद निवासी सेमल ताड़ी थाना सहजनवा जनपद गोरखपुर बताया।जिसके बाद पड़ताल करने पर बहरिया पुलिस को दोनों युवकों द्वारा बताया गया पता सही मिला। तो उनके परिजनों को थाने पर बुलाकर सकुशल उनकी सुपुर्दगी में सौप दिया।अपने बच्चों से मिलकर परिजन बहुत ही खुश होते हुए दिखाई दिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत सराय लीली उर्फ खोजापुर
विकास खण्ड– फूलपुर, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांक: 16/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा सराय लीली उर्फ खोजापुर गांव स्थित सी0एच0सी0 फूलपुर में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं हेतु किचेन सेड के नवनिर्माण हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 17.07.2021 से 20.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत सराय लीली उर्फ खोजापुर में अपराह्न 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 21.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अन्य
1.	सराय लीली उर्फ खोजापुर (सी0एच0सी0 फूलपुर) में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं हेतु किचेन सेड का निर्माण कार्य।	3.00 लाख	

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
9.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
10.	टाइल्स	प्रति नग	
11.	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
12.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
13	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
14.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

चन्द्रावती देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत सराय लीली उर्फ खोजापुर
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

धीरेन्द्र कुशवाहा
ग्राम पंचायत अधिकारी
सराय लीली उर्फ खोजापुर
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

गुरु और ईश्वर की सच्ची पूजा से मनुष्य के सभी कष्ट हमेशा के लिए हो जाते हैं दूर : स्वामी श्री योगी सत्यम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झूसी स्थित कियायोगा आश्रम में क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने साधकों को बताया कि आदि काल से परम सत्य की खोज मानव की विशेषता रही है। साँच को आँच नहीं, एक सत्य सूत्र है । शारीरिक बीमारियां , मानसिक अशांति और अज्ञानता के विविध आयाम को आँच कहते हैं। क्रियायोग से पूर्ण एकता स्थापित होने पर मनुष्य सच की अनुभूति कर सच से एकाकार हो जाता है और यह अनुभव करता है कि परब्रह्म - अद्वैत, नित्य, पूर्ण, अनादि, अनंत, सर्वज्ञ, सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान, व अमर हैं। दृश्य व अदृश्य जगत, निराकार व साकार रूप में परब्रह्म स्वयं प्रकट हो रहें हैं।

भौतिक जगत की रचनाओं की जाँच करने पर पता चला है कि आसमान, वायु, अग्नि, जल, अणु - परमाणु और उर्जा की तरंगों के अस्तित्व को समाप्त नहीं किया जा सकता; इनके आकार- प्रकार को रुपान्तरित किया जा सकता है। इससे स्पष्ट है कि मृत्यु का अस्तित्व नहीं है। परब्रह्म अमर हैं, सभी रचनायें परब्रह्म से उसी तरह प्रकट हो रहीं हैं जिस प्रकार समुद्र से समुद्र की लहरें।

मृत्यु व मृत्युलोक के ज्ञान को मायावी ज्ञान कहते हैं। माया से मुक्ति ही अज्ञानता से मुक्ति है और इसी को मोक्ष कहते हैं। वर्तमान शिक्षा पद्धति कम्पैरिजन, तुलना व सापेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है जिससे माया का ज्ञान होता है। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, टेकिन्कल , मेडिकल, इतिहास, भूगोल, राजनीति आदि अनेकों विषयों की शिक्षा प्रदान करने वाले को शिक्षक कहते हैं तथा मोक्ष की शिक्षा देने वाले को गुरु कहते हैं। क्रियायोग की शिक्षा मोक्ष प्रदान करने वाली शिक्षा है। मोक्ष की प्राप्ति में माया का भी पूर्ण ज्ञान हो जाता है।

क्रियायोग अविद्या से मुक्ति का विज्ञान है। जो अस्तित्व में नहीं है उसके अस्तित्व के बारे में भ्रांत धारणा होना अविद्या है। मृत्यु व मृत्युलोक के अस्तित्व को स्वीकार करना माया के अस्तित्व को स्वीकार करना है और यही सभी कष्टों का कारण है।

क्रियायोग से सम्यक् जुड़ने से अनुभव होता है कि सत्य व अहिंसा से जुड़ना ईश्वर की सच्ची पूजा है। फूल तोड़ कर माला बनाकर गुरु या ईश्वर की पूजा सम्भव नहीं क्योंकि फूल और पत्ती तोड़ना हिंसा है। फूल और पत्ती में चैतन्य जीवन प्रवाहित होता है जब उन्हें तोड़ा जाता है तब उन्हें बहुत दर्द होता है। किसी को दर्द देकर, कष्ट पहुंचाकर पूजा करना हिंसा है। क्रियायोग का अभ्यास गुरु और ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ पूजा है। जब हम किसी की पूजा करते है तब हमारे अन्दर पूज्य अस्तित्व के गुण जागृत होने लगते हैं। क्रियायोग के सम्यक् अभ्यास से मनुष्य के अंदर ईश्वरी गुण जागृत हो जाते हैं। इस समय मनुष्य अपने को मनुष्य नहीं बल्कि ईश्वर की सन्तान के रूप अनुभव करता है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का एक दिवसी ऑनलाइन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

जारी /प्रयागराज । विकासखंड जसरा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत जारी में दर्जनों ग्राम सभा से आए नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों ने ऑनलाइन सहभागिता करते हुए ।राजीव गांधी सेवा केंद्र जारी में एक दिवसीय ऑनलाइन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में भाग लेते हुए।योजना का उद्देश्य पंचायतों एवं ग्राम सभा की क्षमता व प्रभावशीलता में अभिवृद्धि पंचायतों में आम-आदमी की भागीदारी की प्रोननति, पंचायतों को लोकतांत्रिक रूप से निणन्य लेने एवं उत्तरदायित्व निभाने हेतु सक्षम बनाना, जानकारी एवं पंचायतों की क्षमतावृद्धि हेतु पंचायतों के संस्थागत ढांचे को मजबूत करना, 73वां संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप अधिकारों एवं उत्तरदायित्वों का पंचायतों को सुपुर्दगी, पंचायती राज व्यवस्था के अन्तर्गत जन सहभागिता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करने हेतु ग्राम सभाओं का सुदृढ़ीकरण तथा संवैधानिक व्यवस्था के पंचायतों को सशक्त रूप देना है।

जिसमें मुख्य रूप से विकास खंड अधिकारी नितेश पाल , खंड विकास अधिकारी देवेंद्र कुमार ओझा , सहायक विकास अधिकारी पंचायत प्रेमदास, ग्राम विकास अधिकारी यशवंत सिंह यादव व ग्राम प्रधान रेनू बिहारी जयसवाल आशीष पाल प्रधान , शांतिकुरील ग्राम प्रधान गड़ैया कला ,रमेश चंद्र कुशवाहा, शशी सिंह ,निशा सिंह, रामनिवास ,रामगुलाब ,श्याम बाबू, पीतांबर बिंद ,आदि दर्जनों ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

प्रवर्तन दल व विद्युत विभाग ने चलाया अभियान, 13 घरों से पकड़ी गई कटियामारी

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के मवैया गांव में है बुधवार को प्रवर्तन दल और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 13 घरों से कटियामारी को पकड़ा। सभी के खिलाफ संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। जानकारी के मुताबिक नैनी के श्री सोमेश्वर नाथ विद्युत उपकेंद्र से जुड़े रूलर विभाग के तहत मवैया गांव को बिजली आपूर्ति मुहैया कराई जाती है।

यहां मोरों की आवाज कराती है सुबह शाम का एहसास

औद्योगिक नगरी नैनी की पहचान बन चुके हैं मोर

अखंड भारत संदेश

नैनी। ये है प्रयागराज जिले के यमुनापार स्थित औद्योगिक नगरी नैनी क्षेत्र यहां मोरों की आवाज लोगों को सुबह शाम का एहसास कराती है। पूर्व के दशकों में औद्योगिक नगरी नैनी इंडस्ट्रियल एरिया के नाम से जाना जाता था। धीरे-धीरे अत्यधिक कंपनियां बंद हो चुकी हैं। अब उन्हीं कंपनियों में मोरों का बसेरा बन चुके हैं।

जो औद्योगिक नगरी नैनी में सुबह शाम लोगों के घरों और बाहर विचरण करते हैं। सुबह शाम मोरों का वितरण करना अति शुभ माना जाता है। नैनी क्षेत्र के अरैल, श्री सोमेश्वर नाथ, देवरख व औद्योगिक क्षेत्र के मवइ्या और लवायन कला ग्राम सभा के अंतर्गत टिकुरी मजरे में अत्यधिक मोर पाए जाते हैं। इन गांवों की अपनी एक अलग पहचान है। लोग इसे मोर वाले गांव के नाम से भी पुकारते हैं। यह गांव अन्य ग्रामीण अंचलों के ही जैसा है, लेकिन कुछ खासियत ने इसे अलग कर दिया है। यहां की सुबह मुर्गे की बांग से नहीं होती है, बल्कि मंदिरों में होने वाले पूजा-अर्चना आश्रम में मौजूद अनुष्ठानी पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ ही मोर के पीहू-पीहू से होती है।

जो गांव वालों के लिए किसी आलार्मिंग क्लॉक से कम नहीं है। यमुनापार इलाके में कभी बहुतायत मोर पाए जाते थे, लेकिन अब इनके दर्शन काफी दुर्लभ हो चुके हैं। ऐसे में प्रयागराज जिले के यमुनापार स्थित औद्योगिक नगरी नैनी के अरैल, श्री सोमेश्वर नाथ, देवरख मवैया और टिकुरी गांव का नजारा सुखद एहसास कराता है। यह पीकॉक सेंचुरी में तब्दील हो गया है। यानी इन जगहों पर सैकड़ों की संख्या में मोर बसते हैं। सुबह शाम मोरों के झुंड स्वच्छंद विचरण करते हैं।

कई गांवों में पिछले एक दशक में आबादी काफी तेजी से बढ़ी है। इन गांवों का सौभाग्य के प्रतीक मोरों के संरक्षण की मुहिम शुरू की गई है। सोमेश्वर नाथ मंदिर के महंत राजेंद्र पुरी व सोनू पुरी, शैल पुरी का कहना है कि धार्मिक पौराणिक महत्त्व होने के साथ ही यह हमारा राष्ट्रीय पक्षी भी है। सुबह के समय यह मोर

चहलकदमी करते हुए बाग बगीचों से निकल लोगों के घरों तक आ जाते हैं। जरूरी यह है कि उन्हें सुरक्षा का माहौल मिला हुआ है। टिकुरी गांव के निवासी शिव नारायण तिवारी, राकेश कुमार व रमेश आदि बताते हैं कि गांव वालों की सुबह इनकी

पीहू-पीहू की आवाज से होती है। पुष्पा देवी, सुषमा देवी, राजन और वीरेंद्र का कहना है कि मोरों का प्रतीक चिन्ह पहले हमारे घरों पर अंकित किया जाता है। जिसे शुभ माना जाता है। अब तो मोर खुद ही यहां पर विचरण करते हैं। इसी प्रकार नैनी कोतवाली रोड स्थित इंडस्ट्रियल कॉलोनी में बंद हो चुके कल कारखानों में मोरों का बसेरा बन चुका है। जो सुबह शाम सड़कों से लेकर लोगों के घरों में विचरण करते हैं। जो एक सुखद एहसास कराती है। यानी सुबह शाम मोरों की आवाज लोगों को अहसास कराती है।

पीस कमेटी की बैठक आयोजित, त्योहारों पर हुई चर्चा

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक गुरूवार को आयोजन किया गया। बैठक में बकरीद की तैयारी को लेकर के त्योहार पर बिजली पानी साफ सफाई किसी प्रकार का समस्या न आए इस संबंध में बैठक बुलाई गई थी।

साथी ही आगामी सावन पावन पर्व पर भी बैठक में आए हुए लोगों ने मंथन किया। नैनी इंस्पेक्टर सुजीत कुमार दुबे के नेतृत्व में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में सभी गणमान्य व्यक्तियों ने आगामी त्यौहार को सकुशल संपनन्न कराने के लिए सहयोग देने की बात कही।

बैठक में एसएसआई सचीन्द्र यादव, एसआई जगदीश कुमार, अजय कुमार सिंह, सुशील कुमार दुबे, विमलेश कुमार त्रिपाठी, कैलाश राम, उमेश यादव, अजय कुमार मिश्रा, राजेन्द्र पुरी, नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष राकेश जायसवाल, राहुल जायसवाल, राम बाबू केसरवानी, रामबाबू, रमेश चंद्रर केसरवानी, रवि मिश्राा, चंद्रबली जाटव, राजेंद्र आदि गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

नारियों पर सबसे ज्यादा अत्याचार भाजपा सरकार में : अनीता श्रीवास्तव

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। समाजवादी महिला सभा कार्यकर्ताओं की शुक्रवार को एक बैठक आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष फाफामऊ राधा पटेल ने किया इस दौरान समाजवादी महिला सभा प्रयागराज जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने कहा की भाजपा सरकार में आए दिन नारीयों पर अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हो रही है. दुष्कर्म, बलात्कार, एसिड डालकर चेहरा जला देने, दहेज़ उत्पीड़न और तलाक जैसे अपराध आज भी हमारी सोच पर प्रशनचिह्न खड़ा करते हैं.

लखीमपुर खीरी मे भाजपा के गुन्डो द्वारा महिला की के साथ अभद्रता साडी फाडना न सिर्फ देश में बल्कि दुनियां भर में इस दरीन्दगी के स्वरूप को जगजाहिर किया हैं. हालांकि मानवता को शर्मसार कर देने वाली इस घटना से पूरे देश को शर्मिंदा किया, मगर जो इसके बाद हुआ वो भारतीय जनता पार्टी की असली पहचान है दोषियों को तुरंत पकड़ने तथा उन पर कठोर कार्यवाही यदि नहीं हुई तो हम महिला सभा के लोग देशभर में आंदोलन करेंगे।। एवं सोशल मिडिया पर जो जन आक्रोश देखा गया, उसी आक्रोश को हम अपने दिल में जिन्दा रखे तो संभव हैं हमारे समाज में इस तरह की घटना को अंजाम देने की कोई दरीन्दा नहीं सोचेगा.

एक तरफ विश्व मंचों पर हम अपने वतन का बखान करने के लिए नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता की उक्ति को जोर से दोहराते हैं. मगर रोज महिला अत्याचार की ये घटनाओं उन्ही दावों की पोल खोल देती हैंभाजपा सरकार मे.

हमारी कथनी में जहाँ नारियों का सम्मान किया जाता है वहां देवता बसते है मगर असल में तो नारी पर सर्वाधिक अपराध तो हमारे उत्तर प्रदेश में ही होते हैं अखिलेश सरकार मे महिलाओं के लिये 1090 ह्यूमन राइट्स हेल्प महिलाओं की रक्षा हेतु के लिये उनके सममान की रक्षा करती थी लेकिन आज योगी राज मे सारे महिलाये सुरक्षित नहीं है कार्यक्रम का संचालन युवा नेत्री श्रुति यादव ने किया इस दौरान महारानी देवी विन्द, कमला भारतीय, प्रीति श्रीवास्तव, हाजरा बेगम, गीता भारती, शारदा पटेल,रईशा बानो,सुनीता यादव, रंजना यादव, सावित्री भारती,प्रमिला यादव, सीमा चौहान, संजना मौर्य, आदि दर्जनों महिला नेत्री मौजूद रही

बिजली कर्मियों से मारपीट करने वाला एक और अभियुक्त गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में बिजली कमिर्यों से गांव के ही लोगों द्वारा मारपीट किया गया था। जिसके मामले में एसडीओ की तहरीर पर पुलिस ने कई लोगों खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उतराव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भवानीपुर प्राइमरी स्कूल के पास से मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त राहुल शुक्ला पुत्र स्वर्गीय गिरजा शंकर शुक्ला निवासी भवानीपुर थाना उतराव को गिरफ्तार कर न्यायालय के लिए चालान कर दिया। गिरफ्तारी टीम में मुख्य रूप से तेज तर्रार उपनिरीक्षक पंकज कुमार भास्कर,सिपाही विजय प्रकाश,एचजी जितेंद्र बहादुर रहे।

खड़ी ट्रक में कार घुसी तीन की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, दो भाई तथा एक बहन की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

हंडिया। हंडिया थाना अंतर्गत पुलिस चौकी बरौत क्षेत्र के रसार गांव के पास जीटी रोड पर खड़ी ट्रक में कार घुस जाने से कार पर सवार तीन की मौत तथा दो गंभीर रूप से घायल हो गईं बताया जाता है कि गुरुवार भोर करीब 3:30 बजे वाराणसी की तरफ से प्रयागराज की तरफ जा रही कार जिसमें कुल 5 लोग सवार थे वह जब रसार गांव के पास पहुंचे ही थे कि पहले से ही बिगड़ी हालत में खड़ी ट्रक में कार घुस गई जिससे कार में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा 2 वर्ष की बच्ची सहित चालक गंभीर रूप से घायल हो गई स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बरौत पुलिस चौकी को दिया जहां सूचना पाकर कोतवाल हंडिया बृजेश सिंह तथा चौकी प्रभारी बरौत सूर्य प्रकाश दुबे मयफोर्स घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया और परिजनों को सूचना देते हुए शव को कब्जे

में लेकर पंचनामा कर पीएम के लिए एसआरएन प्रयागराज भेज दिया बताया जा रहा कि कार में सवार तीन लोगों की मौत में अजय द्विवेदी पुत्र महेंद्र पाल द्विवेदी उम्र 32 वर्ष, संजीव द्विवेदी पुत्र महेंद्र द्विवेदी उम्र 50 वर्ष तथा वैशाली मिश्रा पतनी मंगेश मिश्रा उम्र 30 वर्ष निवासीगंण गाड़ीवान टोला खुल्दाबाद प्रयागराज की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और अश्वनी द्विवेदी पुत्र अशोक द्विवेदी उम्र 38 वर्ष सहित 2 वर्ष की बच्ची रूही गंभीर रूप से घायल हो गई जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा हैं स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक में कुछ गड़बड़ी आने से 3:00 बजे भोर में वह रोड के बीचो बीच खड़ी हो गई थी जिसमें वाराणसी की तरफ से आ रही कार घुस गई और तीन लोगों की मौत हो गई परिजनों ने बताया कि किसी आवश्यक कार्य को लेकर वाराणसी गए थे जहां से वापस अपने निवास स्थान गाड़ीवान टोला खुल्दाबाद प्रयागराज जा रहे थे मगर रास्ते में ही घटना के शिकार हो गए।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

कृष्ण जन्म की संगीतमय कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए भक्त गण

अखंड भारत संदेश

करछना। के हनुमान पुर गांव में जन कल्याण हेतु चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा सप्ताह के चौथे दिन बुधवार को व्यासपीठ पर विराजमान कथावाचक के रूप में डॉ विशुद्धानंद ब्रह्मचारी ने कृष्ण जन्म की कथा सुना कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृष्ण जन्मोत्सव पर खुशी में खूब बधाइयां बजी ।

भक्त श्रोता लोग कृष्ण जन्म पर खुशी में खूब झूमे । नंद के घर आनंद भयो मथुरा में जन्मे कन्हाई आदि मांगलिक गीतों की प्रस्तुतियां भी हुई। महिलाओं की ओर से सुमांगलिक सोहर गीतों की भी प्रस्तुति हुई। कथावाचक डॉ विशुद्धानंद ब्रह्मचारी ने रामचरित्र बलि चरित्र वामन अवतार व कृष्ण जन्म की कथा विस्तार पूर्वक कहीं। वहीं

कलाकारों की ओर से बाल कृष्ण भगवान की सुंदर व आकर्षक झांकी भी निकाली गई। जिससे भक्त श्रोता जन मंत्रमुग्ध रहे । मुख्य श्रोता यजमान सुजीता द्विवेदी ने कथा व्यास सहित सभी आचार्य जनों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। कथा के आयोजक कमला कांत द्विवेदी संयोजक सुमित द्विवेदी व व्यवस्थापक राम कृष्ण तिवारी ने कथा श्रवण के लिए आए सभी भक्त जनों के प्रति आभार जताया।

प्रधानमंत्री आवास योजना को दबंगो ने रोका, एसडीएम से शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र के गढ़वा गाव मे एक महिला के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना अपनी भूमि पर बनाई जा रही है,जिसे गांव के दबंगो ने अवरोध पैदा कर आवास को बनने से रोक दिया गया।पीडित महिला इन्द्रावती पत्नी लालता प्रसाद ने उपजिलाधिकारी करछना से शिकायत की है गढ़वा गांव निवासी इन्द्रावती देवी अपने निजी भूमि पर 35 वर्षो से मकान बनाकर रह रही है हप्तेभर पहले से महिला द्वारा आवास बनाया जा रहा है जो लगभग 5 फिट तक बनाया जा चुका है।गांव के ही कुछ दबगो द्वारा उक्त आवास को बनाने से रोक दिया गया और महिला को डराया धमकाया भी गया।

स्नान करने गए दो युवक गंगा नदी में डूबे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पूरामुफ्ती कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर घाट में गुरुवार की सुबह दो युवक गंगा नदी में डूब गए हैं। काफी प्रयास के बाद दोनों युवकों का शव नहीं मिल सका है। गंगा नदी में डूबे दोनों युवक हटवा गांव के बताए जाते हैं। दोनों युवक नदी में सनन करने के लिए फतेहपुर घाट गए थे। युवकों के नदी में डूबने के बाद गोताखोरों ने डूबे युवकों की खोजबीन शुरू की है लेकिन दोनों युवकों के शवों का पता नहीं लग सका है। शवों की खोजबीन के लिए घाट पर गोताखोरों की टीम को लगाया गया है। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है।पूरामुफ्ती के हटवा निवासी हकीम अहमद खेती किसानी करते हैं। उनका 20 वर्षीय बेटा हमजा गांव के ही अंसार अहमद के 17 वर्षीय बेटे अमान के साथ बृहस्पतिवार की सुबह

फतेहपुर घाट व हटवा के बीच बह रही गंगा नदी में सनन करने गए हुए थे, दोनों युवक सनन कर रहे थे।इसी समय हमजा का पैर फिसलने के कारण वह नदी में समा गया। साथी को डूबता हुआ देखकर अमान ने भी नदी में छलांग लगा दिया। इससे दोनों युवक गहरे पानी मे डूब गए। घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो अन्य लोग भी इकट्ठा हो गए। इस दौरान दोनों युवक नदी के बहते हुए पानी मे समा गए। सूचना पाकर पहुंची पूरामुफ्ती पुलिस ने शवों की खोजबीन शुरू किया लेकिन देर शाम तक शवों का पता नहीं चल सका था। इंस्पेक्टर पूरामुफ्ती ने बताया कि शवों की खोजबीन के लिए घाट पर गोताखोरों की टीम लगाई गई है।

नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख का ग्रामीणों ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख विपेंद्र सिंह पटेल ने बुधवार को क्षेत्र के विभिनन गांवों का दौरा कर क्षेत्र पंचायत सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अपने समर्थकों के साथ पहुंचे ब्लाक प्रमुख ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों से उनके क्षेत्र की समस्यायों को भी जाना। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने चहेते नेता को माला पहनाकर जहां जोरदार स्वागत किया वहीं ब्लाक प्रमुख ने उन्हें मिष्ठान भेंटकर क्षेत्र के विकास में कदम से कदम मिलाकर चलने की अपील की। ब्लाक प्रमुख विपेंदर सिंह पटेल ने क्षेत्र के हंसराज पुर,नंदौत, चकरा अलीपुर, ढेलहा,मुबारकपुर, कपसा,रेनी, ढकपुरा, मैलहन, अतरौरा, भमई हुसाम गंज, बलकरनपुर, कोड़ापुर सहित अन्य गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से रूबरू हुए। इस मौके पर समाजसेवी श्याम बाबू गुप्ता, राम सिंह पटेल,मौजी लाल रावत,ज्ञानेंद्र सिंह पटेल,देवा गुप्ता,भोंला नाथ भारतीय,राम आसरे,धर्मेंद्र बिंद,दिलीप कुमार,आंनद सिंह,अजय पटेल, नन्हे बिंद,धर्मराज, राम बहदुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बैठक में उपस्थिति समस्त ब्लाक कार्यकरणी के सम्मुख प्रदेश से जारी 21 सत्रीय मांग-पत्र

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ मेजा की प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देशानुपालन में ब्लॉक के कार्य समिति व पदाधिकारियों की एक बैठक बुधवार को बद्री नाथ तिवारी इंटर कॉलेज मेजारोड में हुई। बैठक में जिले से नामित पर्यवेक्षक के तौर पर जिलाकोषाध्यक्ष मनीष तिवारी उपस्थित रहे । बैठक का संचालन ब्लॉक मंत्री मो0 हसीब सिद्दीकी ने किया। बैठक में उपस्थित समस्त ब्लॉक कार्यकारिणी के सम्मुख प्रदेश से जारी 21 सूत्रीय मांग-पत्र पढ़ कर सुनाया गया व सहमति ली गई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि 21 सूत्रीय मांग-पत्र में पुरानी पेंशन, अंतर्जनपदीय स्थानांतरण, ऐच्छिक व पारस्परिक स्थानांतरण, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार का अवकाश, विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं जिसमे बच्चों के बैठने के लिए कुर्सी मेज व बिजली,पानी की व्यवस्था, महंगाई

भत्ता तथा परिवार नियोजन भत्ते की बहाली के साथ साथ, सामूहिक बीमा की धनराशि जो शिक्षकों के वेतन से तो कट रही है पर उसका लाभ उन्हें नही मिल रहा इसको बढ़ाकर 10 लाख करने की भी मांग की गई, शिक्षामित्र व अनुदेशकों को स्थाई अध्यापक बनाने, , शिक्षा अधिकरण विधियक वापस लेने, प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम 5 सहायक अध्यापक व 1 प्रधानाध्यापक का पद तथा जूनियर विद्यालयों में 3 सहायक अध्यापक व 1 प्रधानाध्यापक का पद करने, मृतक आश्रितों को तत्काल लिपिक व सहायक अध्यापक पर नियुक्ति प्रदान करने, कोरोना महामारी में मृत शिक्षामित्र अध्यापक, अनुदेशकों व शिक्षामित्रों को एक करोड़ की सहायता राशि देने तथा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में सहायक के पद पर शीघ्र पदोननति करने की भी मांग विभाग से की गई। बैठक में भीषण गर्मी के चलते विद्यालय का समय प्रातः 8 से 12:30 तक किया जाए इसकी भी चर्चा कार्यसमिति में की गई। संगठन के जिलाकोषाध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा कि यदि शिक्षकों की उक्त मांगे समय से पूर्ण नहीं की गई तो अध्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए यदि सड़क पर उतरना पड़े तो हम सब जरूर उतरेंगे।

बैठक में प्रमुख रूप से प्रवीण कुमार द्विवेदी,भूपेंद्र प्रताप सिंह,रामशंकर पांडेय,प्रवीण पटेल,संतोष अहिरवार,छविनाथ तिवारी,आफताब अहमद,कैलाश नाथ,पुष्पराज यादव,विवेकानंद पांडेय,कृष्णगोविंद श्रीवास्तव, अमित शुक्ला,केशवानंद,संदीप तिवारी,सुनील कुमार,रंजना दुबे,आशीष कुमार,विनय दुबे,हनुमान प्रसाद ,प्रतिभा रायआदि मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली के मृतकों के परिजनो को विधायक ने दिया सहयोग राशि का प्रमाण पत्र

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बारा विधानसभा क्षेत्र के विभिनन गांवों में तीन दिन पूर्व आकाशीय बिजली की चपेट में आकर काल के गाल में गए लोगों के परिजनों से बारा विधायक डॉ अजय कुमार ने मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और मुख्यमंत्री की ओर से चार चार लाख रुपये की मदत दिलाने का भरोसा दिलाते हुए प्रमाण पत्र सौंपा । इस बीच एसडीएम बारा समेत बारा विधान सभा के भाजपाई मौजूद रहे ।

बारा विधानसभा क्षेत्र के रेरा केवटान बस्ती निवासी मिथिलेश कुमार यादव 16वशंकरगढ़ के करियाकला गांव निवासी कामता प्रसाद व लोहगरा के हरिश्चंद्र बिंद की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झुलसने के बाद मौत हो गई थी । मंगलवार के क्षेत्रीय विधायक डॉ अजय कुमार एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी के साथ पीड़ित परिवारों से मिल उनका दुख बाटा और उनके भरण पोषण के लिए मुख्यमंत्री सहायता राशि से मिलने वाले चार चार लाख रुपयों का प्रमाण पत्र दिया ।इस मौके पर चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ,शिवयश पांडेय,मुन्नू शुक्ला,मोहन यादव,दिनेश त्रिपाठी,संतोष जायसवाल, राजू सोनवै,विनोद पटेल,हजारी पटेल,विनोद सिंह,विजयराज सिंह ,अखिलेश सिंह पटेल सहित कई प्रधान व गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

सृष्टि के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यन्त आवश्यकः कुलपति

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। इंडियन कॉउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आई0सी0ए0आर0) मिशन के तत्वाधान में कृषि वानिकी के अन्तर्गत वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री द्वारा सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेकनेलॉजी एण्ड सांइसेज, प्रयागराज परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान का आयोजन 'हर मेड़ पर पेड़' श्लोगन के अन्तर्गत कृषि वानिकी और सीमा वृक्षारोपण राष्ट्रव्यापी मिशन के तहत देश में कृषि भूमि और संस्थागत भूमि के बारे में सामाजिक जागरुकता पैदा करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन आई0सी0ए0आर0 सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया-75 के तहत भारत का अमृत महोत्सव के हिस्से के रुप में हर मेंड पर पेड़ श्लोगन को संम्बोधित किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति मोस्ट रेव्ह. प्रो. राजेन्द्र बी. लाल ने सागोन का पौधा ़ लगाते हुए कहा कि मानव जाति की सृष्टि से पहले

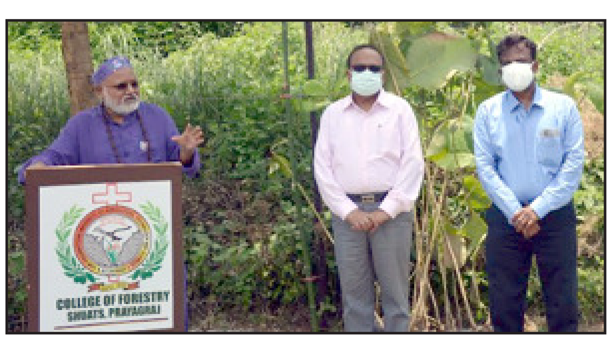

परमेश्वर ने पृथ्वी पर गार्डेन आफ इडेन वाटिका बनाई जिसमें पहले फलों के वृक्ष लगाये फिर छाया के वृक्ष लगाये। इतने सारे पेड़ लगाने के बाद परमेश्वर ने मनुष्य को अपनी समानता व स्वरूप में बनाया व आदम और हव्वा को इस बाग में रखा। इसलिये पेड़ सृष्टि के संतुलन के लिये अत्यन्त जरूरी है। परमेश्वर ने पेड़ लगाकर पृथ्वी पर रहने योग्य बनाया और साम्थ्र्य प्रदान किया। कुलपति प्रो. लाल ने कहा कि यह मानवजाति की नैतिक जिम्मेदारी है कि पृथ्वी का संरक्षण करे, उसे पर्यावरण प्रदूषण से बचाये, अपने-अपने घरों, गली-मोहल्लों में पौधारोपण करे जिससे आने वाली जेनरेशन के लिए एक स्वच्छ व सुरक्षित सृष्टि का निर्माण हो सके। पेड़ लगाने की जिम्मेदारी को मनुष्य को अपने आचरण में शामिल करना होगा तभी हम सृष्टि को हरा-भरा रख सकते हैं। उन्होंने भारत सरकार, आई.सी.ए.आर., उत्तर प्रदेश सरकार आदि द्वारा वृक्षारोपण के लिए किये जा रहे कार्यों, जागरूकता कार्यक्रमों आदि की सराहना करते हुए इसे बहुत अच्छी पहल बताया। उन्होंने सरकार के वृक्षारोपण कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका को अहम बताया।

इस क्रम में प्रति कुलपति (प्रशासन) प्रो. एस.बी. लाल ने सागोन का पौधा़ लगाते हुए वृक्षारोपण के महत्व पर जोर दिया और कहा कि वृक्ष कई उत्पादक लाभ और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करने की अपनी क्षमता के लिये विश्वव्यापि ध्यान आकर्षित करता है। प्रो. एस0 बी0 लाल ने बताया कि हजारों वर्षो से भोजन, लकड़ी, आश्रय और धार्मिक उदेश्यों के लिए वृक्ष लगाए जाते रहे हैं।

डीन कॉलेज आफ फारेस्ट्री प्रो0 एन्थोनी जे. राज सहित अन्य फेकल्टी सदस्यों ने भी पौधारोपण किया। प्रो. एन्थोनी ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि शुआट्स परिसर में सागोन पौधों का पौधारोपण किया गया साथ ही विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र ग्राम देवरी में भी आम, अमरूद, बेर, सागोन, शीशम आदि वृक्षों का पौधारोपण किया। कार्यक्रम का आयोजन कोविड-19 गाईडलाइन का पालन करते हुए किया गया।

कार्यक्रम में डीन प्रो0 एन्थोनी जे. राज, इंजी. सी.जे. वेसली, डा. बी. मेहरा, डा. रमाकान्त दूबे, इंजी. ई.आर. विल्सन, डा. अमित लारकिन, डा. राम भरोसे, डा. नीलम खरे, मोहम्मद समीर, डा. एम. वानी, डा. सत्येन्द्र नाथ, डा. समीर डैनियल आदि शामिल रहे।

हंडिया तहसील में 16 सूत्री मांगों को लेकर सपा का हल्ला बोल प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

हंडिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर हडिया तहसील मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सोलह मांगो को लेकर हल्ला बोल धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा बंगाली की अगुवाई मे उप जिला अधिकारी हडि़या जयनारायण सिंह को राज्यपाल को सम्बोधित 16 सूत्रिय मांग पत्र भी सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान पूर्व प्रत्याशी निधि यादव ने वर्तमान सरकार के खिलाफ चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरीके से भारतीय जनता

पार्टी वर्तमान समय में हुए जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव, ब्लॉक प्रमुख चुनाव मे धांधली करके लोगों के ऊपर दबाव बनाकर के और लोकतंत्र की हत्या करके सारी सीट को वह लोग जीते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गया हैत् देश की जनता महंगाई से त्रस्त है लेकिन सरकार उस पर ध्यान नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार में पिछड़े दलित को सताया जा रहा है । और आरक्षण को खत्म करने का काम किया जा रहा है और जिस तरीके से महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहा है कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुका है। इसके साथ-साथ कहा कि अगर हडिया तहसील की बात की जाए तो यहां नहरों में अभी पानी नहीं आ रहा है । धान लगाने का समय आ गया है इसे लेकर स्थानीय लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इन सभी विभिनन मुद्दों को लेकर हडिया तहसील में एसडीएम को ज्ञापन दिया त् सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाल हडि़या ब्रजेश सिंह, एस ओ सरायममरेज भरत कुमार,एस ओ उतरांव समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। धरना प्रदर्शन में विधानसभा अध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा बंगाली, एमएलसी वासुदेव यादव, पूर्व प्रत्याशी निधि यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख राम मिलन यादव, पूजा मिश्रा, जिला सचिव प्रभाकर यादव, राजेश यादव, प्रकाश चंद्र त्रिपाठी, मुलायम यादव, संजय मौर्य, कमला यादव, कन्हैया यादव, रामराज यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्मला देवी के प्रमुख शंकरगढ़ निर्वाचित होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। विकासखंड शंकरगढ़ के ब्लाक प्रमुख पद पर निर्मला देवी के जीत पर क्षेत्र में खुशी की लहर जारी है इसी को लेकर बुधवार को भारत सिंह पटेल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गनने में एक कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें प्रमुख पद के चुनाव में लगकर भाजपा प्रत्याशी को जिताने के लिए कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भारत सिंह पटेल ने कहा कि निर्मला देवी की जीत योगी और मोदी सरकार के सबका साथ सबका विकास की देन है जिसके चलते आज एक साधारण कार्यकर्ता भी ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी पर आसीन हुआ है जो एक नेता न होकर जनता की सेवक हैं इसी कड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विकास खंड शंकरगढ़ में प्रमुख के जीत के लिए जमुनापार की मिट्टी से जुड़ी हुई सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल को जीत की बधाई दिया है जिनके अथक प्रयास से तथा कार्यकर्ताओं की एकजुटता से एक साधारण घर से संबंध रखने वाली कार्यकर्ता निर्मला देवी को भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत मिली है।उक्त सम्मान समारोह में अंजनी लाल मंडल अध्यक्ष,अक्षय विश्वकर्मा, विवेक सिंह, सुभाष सिंह , धर्मराज पाल, अनिल सिंह, राजेश केसरवानी, विद्या कांत, सुरेश सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

करछना में अधिवक्ताओं की हड़ताल जारी , धरने पर बैठे वकील

करछना। तहसील करछना के अधिवक्ताओं द्वारा अपनी विभिनन मांगों को लेकर विगत एक सप्ताह से हड़ताल पर हैं बुधवार को बार एसोसिएशन करछना के अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी करछना को सत्रह सूत्रीय मागपत्र सौंपा। जिसमें एसडीएम कोर्ट के पेशकर की कार्यशैली पर पक्षपात करने पर हटाये जाने की मांग की गई है,कोर्ट मे दाखिल वादो को पजीकृत करने की माग विवादित पत्रवलियो की निस्तारण चौपाल के माध्यम से न करने की माग लेखपाल द्वारा अधिवक्ता कृष्णचन्द्र भारतीया को जातिसूचक शब्दो का प्रयोग करने पर कार्यवाही करने की मांग सहित कुल सत्रह सूत्रीय मागो को उपजिलाधिकारी विनोद पाण्डेय के समक्ष रखा।

सक्रियता बढ़ाने को प्राथमिक शिक्षक संघ ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। कोरोना महामारी के चलते परिषदीय स्कूलों में ताला जड़ा होने से प्राथमिक शिक्षक संघ की हर छोटी बड़ी बैठकें ठप पड़ी थीं। संगठन के पदाधिकारी ब्लॉक और जिला स्तर पर बैठकों को स्थगित कर दिया था। हालात बेहतर होने के बाद सक्रियता बढ़ाने के लिए संगठन ने एक बार फिर बैठक की। जिसमें संघ के पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां याद दिलाई गईं।

कौडि़हार ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर में प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित हुई। कोरोना संक्रमण के दौरान नवीन माध्यम से पठन-पाठन कराए जाने के बीच पैदा होने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। ब्लॉक

कौड़िहर ब्लाक के पदाधिकारियों ने कोविड-19 का पालन करते हुए सक्रिय होने का किया आह्वान

स्तर पर गठित संगठन के पदाधिकारियों से एक बार पुनः सक्रिय होने की अपील की। शिक्षकों के हक की लड़ाई के लिए 18 बिंदुओं पर तैयार किए गए मांग पत्र से पदाधिकारियों को रूबरू कराया गया। पुरानी पेंशन को बहाल करने वाले मुख्य मुद्दे पर सभी शिक्षकों ने मोहर लगाई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष राधे कृष्ण ने संगठन के पदाधिकारियों से सुझाव मांगा। बलवीर यादव ने 3 तरह के विचार व्यक्त किए। विनीत सिंह यादव ने 18 बिंदुओं पर आधारित मांग पत्र को पढ़कर सुनाया। महामत्री बालेंद्र पांडे ने प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों से एक बार पुनः अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन करने की अपील की। कोषाध्यक्ष रामलाल प्रजापति ने आभार जताया। बैठक में इमरान कलीम, धीरेंद्र, हनुमान, अर्चना वर्मा, अविनाश, सहाना बेगम, गायत्री, फूल चंद पटेल, शालिनी आदि तमाम शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महंगाई के बिरोध में कॉंग्रेसियो ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

अखंड भारत संदेश

करछना। डीजल पेट्रोल के मूल्य वृद्धि के विरोध में करछना विधानसभा के विभिनन पेट्रोल पंपों पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया इसमें मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष यमुनापार अरुण तिवारी डॉक्टर दिनेश सोनी जिला महासचिव मंजू संत सुनील पटेल बबलू खान राम छबीले मिश्र त्रिपुरारी मिश्रा मोहम्मद जान धर्मराज रतनकर आदि लोग उपस्थित रहे

अज्ञात चोरों ने खंगाला दो सगे भाइयों का घर

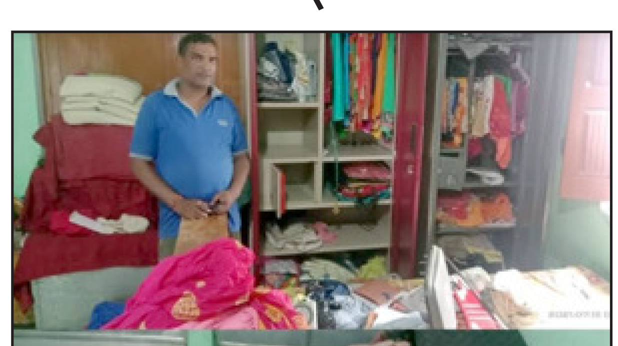

अखंड भारत संदेश

बहरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के सातनपुर निवासी दो सगे भाइयों राम आसरे यादव एवं राम सिंह पुत्र राम लखन यादव के घरों को मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया तथा नगदी सहित सोने के जेवरात एवं महत्वपूर्ण कागजात के साथ खाने-पीने की वस्तुओं सहित हाथ साफ कर दिये। भुक्तभोगी के बताने के अनुसार मंगलवार रात घर के सभी परिजन खाना पीना खाकर सो गए थे।देर रात किसी समय अज्ञात चोरों ने पीछे की दीवाल में सेंध काटकर घर के अंदर घुस कर बक्से को उठा लाए और घर से कुछ दूर खेतों में ले जाकर ताला तोड़कर उसमें रखे नगदी एवं जेवरात तथा सोने के आभूषण को उठा ले गए। सुबह उठने पर राम आसरे के परिजनों ने देखा कि पीछे की दीवाल में ईंटे खस्की हुई थी। तो वे सब घर के अंदर जाकर अपने सामान टटोलने लगे। तो देखा कि घर के अंदर रखें बॉक्स संदूक वगैरा गायब थे। ढूंढते हुए जब सभी खेतों की ओर गए।तो देखा कि घर से कुछ दूर पर टूटे हुए बॉक्स एवं उसमें रखे कपड़े बिखरे पड़े मिले।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की दोहरी चाल

2017 में भी इस डैम पर तालिबान विद्रोहियों ने हमला किया था। ऐसे में यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि तालिबान और अफगान सरकार के बीच सुलह करा कर बीच की कोई राह निकालने में पाकिस्तान की कितनी दिलचस्पी होगी। अफगानिस्तान में तालिबान का बढ़ता हुआ कब्जा न केवल वहां की अशरफ गनी सरकार और आजाद ख्याल जनता के लिए बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों में यकीन रखने वाले दुनिया भर के लोगों के लिए चिंता की बात है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की बैठक में अफगानिस्तान को लेकर कोई सर्वमान्य फॉर्म्युला निकालने की जरूरत बताई। अब तक अफगानिस्तान में शांति स्थापना के जितने प्रयास हुए हैं, उन सबमें पाकिस्तान शामिल रहा है। इस बीच, वह तालिबान लड़ाकों का समर्थन भी करता रहा है। खबर है कि न केवल पाकिस्तानी फौज के वरिष्ठ और अनुभवी ऑफिसर उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं बल्कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी भी इन हमलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। तालिबान ने अगर हेरात में सलमा डैम पर मोर्टार से हमला किया तो उसे इसी संदर्भ में देखना होगा। इसे आधिकारिक तौर पर 'अफगान-भारत फ्रेंडशिप डैम' कहा जाता है। इस डैम के लिए पैसा भारत ने लगाया था। इससे अभी 42 मेगावॉट बिजली पैदा होती है और करीब 75 हजार एकड़ जमीन की सिंचाई भी।

माना जाता है कि भारत और अफगानिस्तान की इस दोस्ती के प्रतीक को पाकिस्तान पसंद नहीं करता और वह तालिबानों से इस पर हमला करवा रहा है। 2017 में भी इस डैम पर तालिबान विद्रोहियों ने हमला किया था। ऐसे में यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि तालिबान और अफगान सरकार के बीच सुलह करा कर बीच की कोई राह निकालने में पाकिस्तान की कितनी दिलचस्पी होगी। चीन, रूस और ईरान जैसे आसपास के देश भी तालिबान के साथ अपने स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। इनके अपने हितों का एडजस्टमेंट भर हो जाए तो ये तालिबान की राह रोकने की जहमत मोल नहीं लेंगे। और, जैसे कि संकेत हैं कम से कम शुरुआती दौर में, समूचे देश पर पूरी तरह कब्जा होने तक तालिबान इन देशों को आश्वस्त करने में नहीं हिचकेंगे। मगर सवाल शुरुआती दौर का नहीं है। एक बार सत्ता पर काबिज हो जाने के बाद क्या तालिबान अपनी धार्मिक कट्टरपंथी सोच से तौबा कर लेंगे अगर नहीं तो वे दुनिया भर में इसे फैलाने के घोषित-अघोषित लक्ष्य को किसी न किसी रूप में पूरा करने की कोशिश करेंगे। यही वह बिंदु है, जहां से अफगानिस्तान के वैश्विक आतंक का नया केंद्र बनकर उभरने का खतरा है। यही वजह है कि अमेरिका में ऐसी आवाजें अभी से उठने लगी हैं कि जल्दबाजी में सैन्य वापसी का जो बाइडन का फैसला सब पर भारी पड़ सकता है और यही वजह है कि अन्य देशों को भी तात्कालिक, संकीर्ण हितों से ऊपर उठकर अफगानिस्तान में शांति के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना पर जोर देना चाहिए।

आयुर्वेद का इतिहास जानना हुआ आसान, विश्व में बढ़ेगा भारत का मान...

अनुराग सिंह

'आयुर्वेदः पंचमो वेदः' यानी आयुर्वेद को पांचवे वेद का स्थान प्राप्त है। आयुर्वेद काढ़ा, दवाई अथवा केवल वटी-गुटी का शास्त्र नहीं है। ये जीवन से जुड़ा हुआ, सूक्ष्मतम ज्ञान से निहित शास्त्र है। इसमें जीवन के प्रत्येक पक्ष को सूक्ष्मता से देखा गया है, प्रत्येक व्याधि का समाधान दिया गया है। चाहे प्रमाणिकता हो, चाहे जीवन के अछूते पक्ष हों, सबकी बात आयुर्वेद में की गई है। इसीलिए चरक मुनि ने कहा है 'आयुर्वेदो अमृतानाम्' आयुर्वेद शास्त्र अनेक प्रकार के जीव जंतुओं के कल्याण के लिए है, जिससे मनुष्य स्वस्थ रह सके, रोगों से बच सके और जो रोग हो गए हैं उनका निदान कर सके। लेकिन क्या वर्तमान समय में आयुर्वेद को इसी तरह से प्रोत्साहन मिल रहा है क्या विश्व कल्याण के लिए मानव जाति आयुर्वेद के हर आयाम से परिचित है क्या इस तनावपूर्ण समय में आयुर्वेद के जितने लाभ हैं उतने बड़े पैमाने पर उसे अपनाया जा रहा है या उसके लिए और प्रयासों की आवश्यक्ता है

आयुः॒ वेद॒ आयुर्वेद। विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणालियों में से एक, जिसमें चिकित्सा विज्ञान, कला और दर्शन का मिश्रण है। यह विज्ञान की वह शाखा है, जिसका संबंध मानव शरीर को निरोग रखने के लिए है। ऐसे आयुर्विज्ञान का विश्वव्यापी विस्तार बहुत जरूरी था लेकिन इच्छाशक्ति की कमी के कारण ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। फिर 9 नवंबर 2014 में केंद्र सरकार ने आयुष मंत्रालय की स्थापनी की, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी जैसी अन्य भारतीय चिकित्सा प्रणालियों में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना था। आयुष मंत्रालय ने 'आयुष आपके द्वार' और इसके जैसी कई अन्य योजनाओं की शुरुआत की, जिससे आम लोगों को हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति का लाभ मिल सके। आयुष मंत्रालय के इसी तरह के प्रयासों का परिणाम है कि हमारी परंपरागत चिकित्सा पद्धति के अंतर्गत शोध, चिकित्सा शिक्षा से संबंधित पांच पोर्टल आज आयुर्वेद के गुणों को विश्व तक पहुंचा रहे हैं। इनमें साही यानी शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स, सीटीआरआई (ण्ऊंघ) में आयुर्वेद डेटासेट, अमर यानी आयुष मैन्यूस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉजिटरी, आरएमआईएस यानी रिसर्च मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम और ई-मेधा पोर्टल शामिल हैं। इनके जारी होने से अब आयुर्वेद की प्राचीन पांडुलिपियों, ग्रंथों तक पहुंचना आसाना हो गया है। इससे उनका डिजिटल माध्यम में रखरखाव, आयुर्वेद में शोध को बढ़ावा मिल पा रहा है। आईसीएमआर (घ्ण्श्ें) की मदद से सीसीआरएएस द्वारा विकसित आरएमआईएस (ंश्घ्ए) पोर्टल एक स्थान पर सभी समस्याओं का समाधान है। आरएमआईएस (ंश्घ्ए) रिसर्च स्कॉलरों के मार्गदर्शन का एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आयुर्वेद में शोध-अनुसंधान से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एकल खिड़की की व्यवस्था की गई है। भारत में इस तरह का यह पहला और अहम कदम है, जिसका लाभ आयुर्वेद की पढ़ाई करने वाले और शोधाथिर्यों को मिल रहा है। यहां विषय विशेषज्ञों की मदद से छात्र और शोधाथिर्यों को अपने अध्ययन और शोध में महत्वपूर्ण मदद निःशुल्क मिलती है। आरएमआईएस (ंश्घ्ए) आयुर्वेद में शोध करने और शोध को अंतिम रूप देने में सहायता करने के लिए संसाधन सामग्री आधारित वेब पोर्टल है, जो नए विषय पर शोध करने और पुराने विषयों से जुड़ी सामग्रियों को उपलब्ध कराता है।

भारत में आयुर्वेद के इतिहास का वर्णन बहुत कम किया गया है या यह कहा जाए कि सही समय पर इसे हमारी शिक्षा व्यवस्था में शामिल ही नहीं किया गया, जिससे भारतीय चिकित्सा पद्धति और अति प्राचीन सामग्रियों का ज्ञान या उनकी पाठ्य सामग्रियां हर किसी के लिए सुलभ नहीं हो पाई। इसके कारण हमारी धरोहर हमारे भविष्य तक जितनी मात्रा में पहुंचनी चाहिए थी उतनी नहीं पहुंची, लेकिन साही पोर्टल एक ऐतिहासिक कदम है जो प्राचीन काल से आज तक आयुर्वेद में किए गए अभ्यासों, प्रमाणित साक्ष्यों को एक मंच पर लेकर आया है। साही पोर्टल में डिजिटल माध्यम में आयुर्वेद से संबंधित दस्तावेजों, शिलालेखों, पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं आदि को प्रदर्शित किया गया है। साही पोर्टल आयुर्वेद के इतिहास को प्रस्तुत करने के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय अनुसंधान परिषद (र्ण्णैए) और नेशनल सेंटर ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह आयुर्वेद की चिकित्सा विरासत की जांच और उसे सभी तक पहुंचाने का प्रयास है। भारतीय इतिहास परिप्रेक्ष्य में यह विभिनन्न काल की सभ्यताओं से जुड़ी जानकारियां जुटाने का माध्यम है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार भारत में मानवों पर दवा, उपचार आदि का किसी भी तरह का क्लीनिकल ट्रायल सीटीआरआई (ण्ऊंघ) रजिस्ट्री में दर्ज किया जाना अनिवार्य है, जिसमें आयुर्वेद डाटासेट जोड़ दिया गया है। सीटीआरआई (ण्ऊंघ) पोर्टल में आयुर्वेद के डेटासेट के जारी होने से अब आयुर्वेद के अंतर्गत किए जा रहे क्लीनिकल परीक्षणों को आयुर्वेद की शब्दावली में ही शामिल किया जा रहा है। इससे क्लीनिकल परीक्षण से जुड़े अध्ययन को भविष्य के लिए संभालना और उपलब्ध करवाना आसान हो गया है और आयुर्वेद के अंतर्गत किए जा रहे क्लीनिकल परीक्षण को कहीं भी और कभी भी देखा जा सकता है। क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्री-इंडिया (ण्ऊंघ) में आयुर्वेद से संबंधित 3020 क्लीनिकल ट्रायल अब तक पूरे हो चुके हैं। भारतीय चिकित्सा पद्धति की विरासत अब संपूर्ण मानव जाति के लिए अपने द्वार खोल चुकी है। ई-मेधा पोर्टल पर हमारे चिकित्सा शास्त्र से जुड़ी 12 हजार से अधिक पांडुलिपियां और पुस्तकें मौजूद हैं। जो शोधकर्ताओं व अन्य के लिए ऑनलाइन देखी जा सकती हैं। ई-मेधा पोर्टल को एनआइसी (ऱ्घ्ण्) के ई-ग्रंथालय प्लेटफार्म से जोड़ा गया है, जिससे शोधकर्ताओं को 12 हजार से अधिक अति दुर्लभ किताबें आसानी से उपल्ब्ध हो रही हैं। अब शोधकर्ता इसके माध्यम से भारतीय चिकित्सा पद्धति को गहनता से समझ पा रहे हैं।

'अमर' पोर्टल को पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं के साथ-साथ, डिजिटल संग्रह से उत्पनन्न जानकारियों को जोड़ने के लिए बनाया गया है। एनसीआईएमएच (ऱ्घ्ृश्प्) और सीसीआरएएस (र्ण्णैए) की सहायता से आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा व अन्य विषयों से संबंधित सामग्री इस पर आसानी से उपलब्ध है। इसके साथ ही 'अमर' पोर्टल इन सामग्रियों को संरक्षित भी करता है। पांडुलिपियों के लिए इस पर 8 शीर्षक और 44 उप-शीर्षकों में विवरण दिया गया है। इतना ही नहीं भारत और विश्व की अन्य लाइब्रेरियों में या लोगों के व्यक्तिगत संग्रह भी 'अमर' पोर्टल पर पढ़े जा सकते हैं। कोरोना महामारी की पहली लहर के प्रकोप में जब पूरा विश्व त्राहि-त्राहि कर रहा था, तब भारत इतनी बड़ी आबादी वाला एक मात्र ऐसा देश था, जिसने कोरोना की पहली लहर पर लगाम लगाई थी। भारत ही नहीं विश्व के विभिनन्न देशों के लोगों ने भी आयुर्वेद की औषधियों का सेवन कर स्वास्थ्य लाभ पाया, लेकिन यह कहना भी जरूरी है कि आयुर्वेद के गुणों से विश्व की बहुत बड़ी आबादी अछूती है। अब आवश्यकता इस बात की है कि हम आयुर्वेद के इतिहास और उसके गुणों को जनमानस तक पहुंचा पाएं। यदि हम आयुर्वेद के हर अंश को जनमानस तक पहुंचाने में सफल हुए तो समझ लीजिए कि हम भारतीय वैज्ञानिकों की तकनीक को भी वैश्विक पटल पर सिद्ध करने में सफल हुए फिर वह दिन दूर नहीं जब..सर्वे भवन्तु सुखिनः.. सर्वे सन्तु निरामया का मंत्र साकार होगा।

जब सांप काट जाये तो क्या करे

डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा

गांव के बाहर कुछ बच्चे खेल रहे थे। खेलते खेलते बाल कुछ दूर पेड़ो के झुण्ड में खो गई। एक बच्चा वहां पर भाग कर गया और वहां पर बाल को खोजने लगा। तभी वो एक चीख के साथ ज़मीन पर गिर गया। उसकी चीख सुनकर बाकी बच्चे उस और भागे। एक बच्चे ने चीख कर कहा, ' वो देखो सांप। ङ्ग बच्चो में हड़कंप मच गया । पास से गुज़र रहे एक बज़ुर्ग ने जब बच्चों का शोर सुना तो उसने पुछा, ' क्या हुआ ' बच्चों ने जब बताया की वहा पर साप है तो यह बात हवा की तरह पूरे गांव में फ़ैल गई। पास ही खेतो में काम कर रहे उस बच्चे का पिता भी इतनी देर में पहुँच गया। बच्चे के हाथ पर साफ़ सांप के दांतो के निशाँ साफ़ दिखाई दे रहे थे। भीड़ में से किसी ने कहा कि सपेरा को बुला लो, तो किसी ने कहा की झाड़ फूँक करा लो। फिर वहा पर खड़े एक सयाने ने कहा कि उसे सरकारी हॉस्पिटल ले जाया जाये। बच्चे को स्वस्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहा पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहर में बड़े हॉस्पिटल भेजा गया। समय से उपचार होने पर बच्चा तो बच गया पर बहुत से लोग किसी जहरीले सांप के काटने से मर जाते हैं। विश्व स्वस्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार भारत में पिछले 20 सालों में सांप के काटने से लगभग 10 से 12 लाख लोगों की मौत हुई है यानी हर साल करीब 50 से 58 हज़ार के बीच लोग मर जाते है। अक्सर घबराहट के कारण, अंधविश्वास और अनपढ होने के कारण घर पर ही किसी ओझा, तांत्रिक, बाबा या सपेरा को बुला कर कीमती समय खराब करते है, पर अगर बिना देरी किये मरीज़ को हॉस्पिटल पहुँचाया जाए तो हो सकता है कि वो बच जाये।सबसे पहले तो पीडि़त को आश्वस्त करें और उसे स्थिर लिटाया जाये, हिल झूल न होने दे, क्यूंकि हिलने झूलने पर ज़हर हृदय कि तरफ बड़ सकता है। प्रभावित अंग को स्थिर करें। स्पलिंट या पटी द्वारा स्थिर रखे पर टूनिकेट न बांधे और जल्दी से जल्दी अस्पताल ले जाये। हॉस्पिटल में पूर्ण प्रशिक्षण के बाद एंटीवेनम दिया जाता है, जो सरकार कि तरफ से सभी कस्बो और शहरों के स्वस्थ्य केंद्रों और हॉस्पिटलों में उपलब्ध करवाए जाते है जहाँ कोल्ड चैन कि सुविधा हो । भारत में, केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली जो हिमाचल प्रदेश में हैं द्वारा तैयार पॉलीवैलेंट एंटीवेनम सबसे आम भारतीय प्रजातियों के खिलाफ प्रभावी है। विश्व भर में 16 जुलाई को विश्व नाग दिवस या विश्व सर्प दिवस मनाया जाते है। इस दिवस को दुनिया भर में लोगों को सांपों और उनके बारे में भ्रातिंया दूर कर उनके प्रति जागरुकता जगाने के लिए मनाया जाता है।

आबादी कानून पर कहीं फंस न जाए बीजेपी

नरेंद्र नाथ

इन दिनों यूपी सहित कई बीजेपी शासित राज्यों में जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित कानून बनाने की कवायद की जा रही है। संसद के मॉनसून सत्र में कुछ बीजेपी सांसद इस संबंध में निजी विधेयक भी लाने की तैयारी में हैं। बीजेपी इस मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठा रही है। हालांकि अधिकतर विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर अब तक उदासीन रुख ही बनाए रखा है। दरअसल, यह मुद्दा बीजेपी के अगले अजेंडे की ओर इशारा करता है। धारा 370 और राम मंदिर के मुद्दे के समाप्त होने के बाद यह ऐसा मसला है, जिस पर सालों से बात हो रही है। हालांकि जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ा मुद्दा संवेदनशील है और बीजेपी के लिए इसमें आगे कई तरह की उलझनें सामने आ सकती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने की कवायद भले ही नए सिरे से तेज हो रही हो, लेकिन पिछले कुछ सालों से यह मुद्दा बीजेपी के अजेंडे में बना रहा है। सरकार के स्तर पर देखें तो पिछले साल नीति आयोग ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में रोडमैप तैयार करने के लिए एक हाई लेवल मीटिंग की थी। इसमें अगले 15 सालों में जनसंख्या को किस तरह नियंत्रण में रखा जाए, इस पर चर्चा हुई। इसके बाद से नीति आयोग ने इस मुद्दे को छोड़ा नहीं है। किसी न किसी रूप में जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को और प्रभावी बनाने के सवाल पर इसका मंथन जारी है।

2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से कई मौकों पर यह संदेश दिया गया कि जनसंख्या नियंत्रण और दो बच्चों के परिवार पर नियम के संबंध में सरकार और बीजेपी अब गंभीर हो चुकी है। साल 2019 में ही स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर जनसंख्या नियंत्रण को देशभक्ति से जोड़ा था। तब पीएम मोदी ने कहा था, 'हमारे यहां जो जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, वह आने वाली पीढ़ी के लिए संकट पैदा करता है। लेकिन यह भी मानना होगा कि देश में एक जागरूक वर्ग भी है, जो इस बात को अच्छे से समझता है। ये लोग अभिनंदन के पात्र हैं। ये लोग एक तरह से देशभक्ति का ही प्रदर्शन करते हैं।' इसके बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दो बच्चों का मसला उठाया था। संघ प्रमुख के इस बारे में बयान देने से बहस तेज हो गई थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी और कहा कि वह कानून की बात नहीं कर रहे।

वैसे बीजेपी को यह भी पता है कि जनसंख्या नियंत्रण का मसला उतना सहज नहीं, जितना दूर से दिखता है। अभी उत्तर प्रदेश में कानून बनने की कवायद शुरू हुई तो इसके एक प्रावधान पर सबसे पहले विश्व हिंदू परिषद की ओर से ही आपत्ति आई। ऐसे में सरकार और बीजेपी को इस पर व्यापक सहमति बनाते हुए आगे बढ़ना होगा। सरकार के आंकड़े भी इस बात को साबित करते हैं कि यह मसला धर्म से अधिक गरीबी और शिक्षा से जुड़ा हुआ है। बीजेपी ने पिछले कुछ सालों में अलग-अलग कल्याणकारी नीतियों की मदद से गरीबों में अपनी पैठ बढ़ाई है। वह नहीं चाहेगी कि हड़बड़ी में कोई ऐसा कदम उठा ले, जिससे इस मजबूत वोट बैंक पर किसी तरह की आंच आए। जाहिर है, तमाम पहलुओं को देखते हुए ही वह आगे बढ़ना चाहेगी।

दूसरी ओर विपक्षी दलों को आभास हो चुका है कि यह एक ऐसी सियासी पिच है, जिस पर वह बीजेपी का मुकाबला नहीं कर सकेगी। इसीलिए अधिकतर विपक्षी दल इस मुद्दे को इगनेर कर रहे हैं। एक सीनियर विपक्षी नेता ने एनबीटी को बताया कि पिछले दिनों लव जिहाद कानून पर भी ऐसी कोशिश हुई, जब कई बीजेपी राज्यों में कानून बनाने की कवायद शुरू हुई थी। तब भी विपक्षी दलों ने इस मुद्दे से खुद को दूर रखा। पुरानी गलतियों से सबक लेते हुए विपक्षी दल जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर पॉजिटिव रुख भी दिखा सकते हैं। जब लाल किले से पीएम मोदी ने जनसंख्या विस्फोट की बात की तो उसके अगले दिन कांग्रेस के सीनियर नेता पी चिदंबरम और बाद में कांग्रेस ने पार्टी स्तर पर भी पीएम मोदी की बात का समर्थन किया। उसके पीछे भी यही रणनीति थी।

कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम सीनियर नेताओं से एनबीटी ने बात की। सबने यही कहा कि जनसंख्या नियंत्रण हमेशा से सरकारों और राजनीतिक दलों की प्राथमिकता में रहा है। जाहिर है, इस दिशा में उठाए गए कदम अनावश्क विवाद पैदा नहीं करेंगे। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इस मसले पर दो कदम आगे बढ़कर अपने कार्यकाल में बनी कमिटी का हवाला दे सकती है। 1991 में सीनियर कांग्रेस नेता के करुणाकरण के नेतृत्व में एक कमिटी बनी थी जिसने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कई सुझाव दिए थे। उसमें जनप्रतिनिधियों के लिए यह शर्त अनिवार्य रूप से लागू करने को कहा गया था कि उनके दो से अधिक बच्चे नहीं हों। मोदी सरकार ने भी कानून मंत्रालय को इस दिशा में बेहतर कानून के विकल्प तलाशने को कहा है।

दरअसल हाल के वर्षों में बीजेपी अपनी राजनीतिक पैंतरेबाजी से अक्सर विपक्ष को शिकस्त देती रही है। कई बार मोदी सरकार ने इस तरह चौंकाया कि विपक्ष को तैयारी तक करने का मौका नहीं मिला। जनसंख्या नियंत्रण कानून पर विपक्ष की संतुलित प्रतिक्रिया से ऐसा लगता है कि वह अपनी तरफ से कुछ करके बीजेपी को मौका देने के बजाय इस बार उसके खुद अपनी चाल में फंसने का इंतजार करना चाहेगा।

डिजिटल मीडिया के नए नियमों पर कानूनी पेच

स्वाति माथुर

सरकार के इन्फॉर्मेशन टेकन्लॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस ऐंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 या डिजिटल मीडिया एथिक्स रूल्स, 2021 के खिलाफ कम से कम 10 मुकदमे दायर किए जा चुके हैं। हम यहां बता रहे हैं कि ये रूल्स क्या हैं और किस वजह से संबंधित पक्षों ने इसे चुनौती दी है। डिजिटल मीडिया एथिक्स रूल्स को सरकार ने इस साल 25 फरवरी को अधिसूचित किया था। ये गूगल, फेसबुक, वट्सऐप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्मों, ओटीटी और डिजिटल न्यूज प्लैटफॉर्म सहित डिजिटल मीडिया के लिए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (शघ्ऊभ्) मंत्रालय इन दिशानिर्देशों को सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज पर लागू करेगा, जबकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय का काम यह देखना होगा कि डिजिटल मीडिया कंपनियां इन नियमों पर अमल कर रही हैं या नहीं। सरकार का दावा है कि ये नियम इसलिए बनाए गए हैं ताकि प्रिंट, टेलिविजन और डिजिटल मीडिया को आगे बढ़ने के लिए एक जैसा माहौल मिले। उनके लिए एक जैसा नियम-कानून हो। इसके साथ ही डिजिटल मीडिया के लिए भी नियमों का एक ढांचा बने।

ये नियम कहते हैं कि सभी इंटरमीडियरी और डिजिटल मीडिया प्लैटफॉर्मों को त्रिस्तरीय व्यवस्था बनानी होगी। इस व्यवस्था की मदद से उन्हें शिकायतों का निपटारा करना होगा और हर महीने कंप्लायंस रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस रिपोर्ट में बताना होगा कि जो शिकायतें मिलीं, उन्हें दूर करने के लिए संबंधित प्लैटफॉर्मों ने क्या किया। नियम यह भी कहते हैं कि 24 घंटे के अंदर शिकायत मिलने की बात माननी होगी और 15 दिनों के अंदर उसका निपटारा करना होगा। इस दौरान जिस पोस्ट को लेकर शिकायत मिली हो, उसे सूचना और प्रसारण सचिव ब्लॉक कर सकते हैं या हटा सकते हैं।सोशल मीडिया इंटरमीडियरी और डिजिटल न्यूज मीडिया ने इन नियमों को अलग-अलग चुनौती दी है। इनमें कहा गया है कि किसी 'ऑफेंसिव (आपत्तिजनक)' मेसेज के बारे में कंपनियों को बताना होगा कि उसे किसने शुरू किया। इसे वट्सऐप ने अदालत में चुनौती दी है। फेसबुक के मालिकाना हक वाली इकाई वट्सऐप का दावा है कि ऐसा करने के लिए उसे एंड-टु-एंट एन्क्रिप्शन को तोड़ना होगा। वट्सऐप दुनिया के कई देशों में मौजूद है और वह सिर्फ भारत के लिए ऐसा नहीं कर सकता। ट्विटर ने इन नियमों को मानने की बात तो कही है, लेकिन दूसरी सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज ने ऐसा न करने पर आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा चलाए जाने को चैलेंज किया है।

नियम कहते हैं कि उनके प्लैटफॉर्मों पर 'आपत्तिजनक' कंटेंट पोस्ट हुआ तो संबंधित कंप्लायंस अधिकारियों पर आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा चलेगा।इन नियमों को अधिसूचित करने से पहले सोशल मीडिया और ओटीटी प्लैटफॉर्मों के साथ सरकार ने चर्चा की थी, लेकिन उसने डिजिटल न्यूज मीडिया प्लैटफॉर्मों की इन पर राय नहीं ली थी। आईटी रूल्स का जो मसौदा तैयार किया गया, उस पर सार्वजनिक तौर पर रायशुमारी नहीं की गई। इसलिए डिजिटल न्यूज मीडिया कंपनियां इन नियमों का विरोध कर रही हैं। उनका यह भी कहना है कि नए नियम लागू हुए तो सेंसरशिप और उनके कामकाज में दखलंदाजी बहुत बढ़ जाएगी। इन कंपनियों का कहना है कि मीडिया हाउसों पर पहले से प्रेस काउंसिल कानून, केबल टीवी नेटवर्क कानून के तहत प्रोग्राम कोड और दूसरे अधिनियम लागू हैं। फिर नए नियमों को उन पर क्यों थोपा जा रहा हैमद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स असोसिएशन (डीएनपीए) ने कहा है कि इन नियमों के जरिये पारंपरिक मीडिया और उनकी डिजिटल इकाइयों को रेगुलेट करने की कोशिश हो रही है, जबकि आईटी एक्ट, 2000 के तहत ऐसा नहीं किया जा सकता। इस असोसिएशन में टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडिया टुडे, एनडीटीवी जैसे मीडिया हाउस शामिल हैं। असोसिएशन का यह भी कहना है कि इन नियमों में अखबार और उसके ऑनलाइन वर्जन के बीच जो कानूनी फर्क किया गया है, वह 'अस्पष्ट और मनमाना' है।न्यूज एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में इन रूल्स को चुनौती दी है। उसका कहना है कि सरकार ने 'गुड टेस्ट', 'डिसेंसी' और 'हाफ-ट्रूथ्स' को रोकने जैसी जो शर्तें रखी हैं, इनमें से किसी को भी आईटी एक्ट, 2020 में स्पष्ट नहीं किया गया है। पीटीआई ने कहा है कि इन नियमों को न मानने पर 'गंभीर परिणाम' भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

इसमें कंटेंट को ब्लॉक करने, उसे बदलने और डिलीट करने के साथ अनिवार्य माफीनामा छापने की बात कही गई है। न्यूज एजेंसी का दावा है कि इससे 'निगरानी और डर का नया माहौल पैदा होगा, जिससे सेल्फ-सेंसरशिप को बढ़ावा मिलेगा।'नियम कहते हैं कि ओटीटी प्लैटफॉर्मों को आयु के हिसाब से अपने कंटेंट को पांच वर्गों में बांटना होगा। उनके जो कंटेंट वयस्कों के लिए हैं, उनके लिए प्लैटफॉर्मों को पैरेंटल लॉक मुहैया कराना होगा ताकि बच्चे उन्हें न देख पाएं। नियम में यह भी कहा गया है कि इन कंपनियों को जो कंटेंट वयस्कों के लिए है, उसकी खातिर 'आयु की पहचान करने का विश्वसनीय तंत्र' भी विकसित करना होगा। इसके साथ ओटीटी प्लैटफॉर्मों को सेल्फ-रेगुलेटरी मेकेनिज्म यानी ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें वे खुद पहल करके आपत्तिजनक कंटेंट को दर्शकों के सामने आने से रोकेंगे।इन कंपनियों ने नियमों पर अमल कर दिया है, लेकिन उनका कहना है कि सेल्फ-रेगुलेशन मेकेनिज्म को लेकर ओटीटी प्लैटफॉर्मों को आजादी मिलनी चाहिए। इस मामले में बाहर से कोई दखलंदाजी न हो, लेकिन ओटीटी प्लैटफॉर्म इस पर बंटे हुए भी दिख रहे हैं। उन्होंने सेल्फ-रेगुलेशन के लिए दो संस्थाएं बनाई हैं। इनमें से एक है डिजिटल पब्लिशर्स कंटेंट ग्रीवासेंज काउंसिल (डीपीसीजीसी)।

भारत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान पश्चिमी मीडिया का दोगलापन सामने आया

डॉ. अजय खेमरिया

पांच राज्यों के नतीजों को अपनी दुराग्रही मानसिकता के साथ रिपोर्ट करते हुए वाशिंगटन पोस्ट ने यह खबर लगाई की मोदी की भाजपा महामारी के वोट के बीच हार गई। यानी कोरोना और चुनावी नतीजों को एक साथ जोड़कर मोदी के विरुद्ध प्लांट कर दिया गया। कोविड-19 की वैश्विक आपदा ने भारत के विरुद्ध पश्चिमी मीडिया के दुराग्रह को पूरी प्रामाणिकता के साथ पुनः बेनकाब कर दिया है। सच्चाई और जवाबदेही के युग्म से पत्रकारिता के आदर्श का खंब ठोकने वाला पश्चिमी मीडिया स्वयं किस हद दर्जे के दोहरे मापदंड पर जिंदा है यह कोरोना की दूसरी लहर से जुड़ी भारत सबंधी रिपोर्टों से स्वयंसिद्ध होता है। खास बात यह है कि इस दोहरे आचरण की कड़ियाँ अब आम भारतीय भी प्रामाणिकता के धरातल पर पकड़ना सीख गया है। भारतीय जनसंचार संस्थान के एक ऑनलाइन सर्वेक्षण एवं शोध के नतीजे बताते हैं कि भारत में अधिसंख्य चेतन लोग इस बात को समझ रहे हैं कि यूरोप, अमेरिका और अन्य देशों की मीडिया एजेंसियों ने कोरोना को लेकर अतिरंजित, गैर जिम्मेदाराना और दहशतमूलक खबरें प्रकाशित कीं। इन खबरों के मूल में भारत के प्रति एक औपनिवेशिक मानसिकता भी इस दरमियान किसी दीवार पर मोटे हरूफ में लिखी इबारत की तरह पढ़ी जा सकती है।

आईआईएमसी के महानिदेशक संजय द्विवेदी की पहल पर देश के शीर्ष एवं मैदानी मीडियाजनों, बुद्धिजीवियों की राय को समाहित करता यह विश्वसनीय सर्वे समवेत रूप से विदेशी मीडिया संस्थानों खासकर बीबीसी, द इकोनोमिस्ट, द गाडिय्न, वाशिंगटन पोस्ट, न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन की पक्षपातपूर्ण, झूठी रिपोर्टिंग को आमजन की दृष्टि में भी कठघरे में खड़ा कर रहा है। कोविड-19 को लेकर भारत से जुड़ी रिपोर्टस के दुराग्रह को समझने से पहले हमें इस तथ्य को ध्यान में रखना होगा कि इन मीडिया संस्थानों ने हमारे देश के प्रति एक प्रायोजित बैर भाव बनाया हुआ है खासकर नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने लिए भारतीय संवाददाता हेतु जारी किए गए विज्ञापन में जिन अहर्ताओं का उल्लेख किया उससे इस तथ्य को स्वंयसिद्धि हासिल होती है कि पश्चिमी मीडिया किस दोगलेपन और सुपारी मानसिकता के साथ भारत की तस्वीर अपने प्रकाशनों के साथ दुनिया में पेश करना चाहता है। जाहिर है पत्रकारिता के नैतिक मापदंडों पर जन्मना दोहरेपन का शिकार पश्चिमी मीडिया कोविड-19 को लेकर कैसे निष्पक्षता औ ईमानदारी का अवलंबन कर पाता। आईआईएमसी के सर्वेक्षण और शोध-विमर्श से एक बात और स्पष्ट होती है कि पश्चिमी जगत आज भी हमारे देश की छवि सांप सपेरे, जादू टोने वाले देश से बाहर मानने के लिए तैयार नहीं है। 70 के दशक की तीसरी दुनिया या अल्पविकसित देशों में भारत को पिछड़ा देश माना जाता था उसी अधिमान्यता पर पश्चिमी बौद्धिक जगत आज भी खड़ा हुआ है। चंद्रयान और गगनयान जैसे विज्ञान और तकनीकी सम्पनन्न नवाचार हों या फार्मा इंडस्ट्री में हमारी बादशाहत, पश्चिम इसे मान्यता देने को आज भी राजी नहीं है। कोरोना की पहली लहर में जिस प्रामाणिकता से हमने दुनिया के सामने मिसाल पेश की उसका कोई सकारात्मक उल्लेख विदेशी मीडिया संस्थानों में नजर नहीं आया। इस दौर में ब्रिटेन, अमेरिका, स्पेन, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया जैसे धनीमानी राष्ट्र पस्त हो चुके थे। इस नाकामी को प्रमुखता से उठाने की जगह इन मीडिया हाउस ने भारत में प्रवासी मजदूरों को पहले पनन्े पर जगह दी। तब जबकि डब्लूएचओ भारतीय कोविड प्रबंधन मॉडल को सराहा रहा था।कोविड की दूसरी लहर ने भारत में अप्रत्याशित रूप से व्यापक जनहानि की परिस्थिति निर्मित की इससे इनकार नहीं किया जा सकता है लेकिन इस दूसरी लहर में मानो पश्चिमी मीडिया को भारत के विरुद्ध आपदा में अवसर मिल गया हो। इस दौरान बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट जैसे संस्थानों ने अस्पतालों, श्मशानों से लेकर गंगा में जलदाह से जुड़ी अतिरंजित, डरावनी और भयादोहित करने वाली रिपोर्ट प्रकाशित की है।

जेपी नड्डा ने अखिलेश पर साधा निशाना, बोले-

यूपी की जनता ने विपक्ष को घर बैठने और हमें काम का दिया संदेश

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश ने देश की राजनीति बदली है। चार साल पहले तक राज्य तुष्टीकरण की राजनीति में जकड़ा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चार साल से शासनकाल में अब यूपी देश का लीडिंग स्टेट बन चुका है। पंचायत चुनाव में भाजपा की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने विपक्ष को नकारते हुए उसे घर बैठने का संदेश दिया है। हमें काम करने का संदेश दिया है।

शुक्रवार को भाजपा उत्तर प्रदेश की कायसमिति की बैठक का उद्घाटन करते हुए नड्डा ने प्रदेश के सांसदोंए विधायकों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिए हैं कि वह केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि पहले यूपी में बच्चा पैदा होता था तो एक शब्द कर्फ्यू सुनता था पिछले चार साल में एक भी कर्फ्यू नहीं लगाए कोई दंगे नहीं हुए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना ही उन्होंने कहा कि यूपी के एक नेता कोरोना वैक्सीन को भाजपा की वैक्सीन कहते थे। उनके पिता ने वैक्सीन लगवाई। अब बेटा जी भी तैयार हैं। यह सोच उनके स्तर को बताता है। जिसकी इतनी छोटी सोच है वह यूपी जैसे प्रदेश का नेता बनने की इच्छा पालते हैं। यूपी की जनता ने इनका जवाब दिया है आगे भी मुहतोड़ जवाब देगी।

पीएम नरेंद्र मोदी के काशी से जुड़ने के बाद काशी राजनीति का उद्गम स्थल बना है। इसने यूपी ही नहीं देश की राजनीति को परिवर्तित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी ताकत के साथ विकास के काम में जुटे हैं। पहले जातीय आधार पर राजनीतिए सत्ता का दुरुपयोग करके किसी समाज को प्रताडि़त करना यूपी का श्आर्डर आफ द डेश् बन गया था। नड्.डा ने कहा कि यूपी में कोरोनाकाल में बहुत अच्छा काम किया है। गुरुवार को इसकी तारीफ प्रधानमंत्री ने काशी में की थी। आस्ट्रेलिया के सांसद भी यूपी की प्रशंसा करते हैं। यहां के मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हैं। वह कहते है कि यदि यूपी का सीएम हमें मिलता तो वह संभाल पाता। यह बताता है कि दुनिया भी यूपी की क्षमता को मान रही है। नड्डा ने कहा कि देश में पीएम केयर फंड से आक्सीजन के 1500 पीएसए प्लांट लग रहे हैं। सांसदए विधायक व जन प्रतिनिधि अपनी देखरेख में इस प्लांट को स्थापित कराएं। जुलाई.अगस्त में ये सभी लगने हैं। बिना स्थानों पर गए नेता अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सरकते हैं। उन्होंने कहा कि नौ महीने में कोरोना की दो.दो वैक्सीन तैयार होकर आ गई। वैक्सीन बनाकर नया गौरव देश को दिया। इस पर कुछ मंदबुद्धि व छोटी बुद्धि के नेता क्या जवाब दे रहे थे। बोल रहे थे इसका थर्ड ट्रायल नहीं हुआ है।

10 दिन की कॉल डिटेल देखकर सकपका गया मिनहाज, एक घंटे की पूछताछ में एटीएस ने कई झूठ पकड़े

लखनऊ (एजेंसी)। आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में पकड़ा गया मिनहाज एटीएस के कई सवालों का गोलमोल जवाब दे रहा था। इस पर एटीएस ने शुक्रवार को उसके सामने 10 दिन की कॉल डिटेल रखकर पूछताछ शुरू की तो वह सकपका गया। करीब एक दर्जन ऐसे नम्बर थेए जिनसे हर दिन आठ से 10 बार बात होती थी। कॉल डिटेल देखने के बाद मिनहाज ने कई सवालों का जवाब दिया। इसके अलावा मिनहाज व मुशीर को शुक्रवार का करीब एक घंटे तक आमना सामना कराकर सवाल जवाब किये गये। 11 जुलाई को काकोरी थाना क्षेत्र के दुबग्गा से मिनहाज और मडि़यांव के मोहिबुल्लापुर से मशरुद्दीन उर्फ मुशीर को एटीएस ने गिरफ्तार किया था। इनके पास से प्रेशर कुकर बम व विस्फोटक बरामद हुए थे। एटीएस ने दावा किया था कि ये दोनों लोग अलकायदा संगठन से जुड़े हुए हैं। इस समय दोनों लोग 14 दिन की रिमाण्ड पर एटीएस के पास है। चार दिन में एटीएस ने खुफिया एजेन्सियों व एनआईए की टीम के साथ लम्बी पूछताछ की है। इस दौरान कई राज सामने आये जिन पर पड़ताल की जा रही है। इन लोगों से पूछताछ के बाद ही एटीएस ने 14 जुलाई को इनकी मदद करने के आरोप में ई.रिक्शा ड्राइवर शकीलए मुईद व मुस्तकीम को गिरफ्तार कर लिया था। एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि मिनहाज व मुशीर ने कई सवालों का जवाब संतोषजनक नहीं दिया था। दोनों से अलग.अलग पूछताछ में कई विरोधाभासी बातें सामने आयी। इस पर दोनों का आमना.सामना कराकर पूछताछ की गई। इस पर दोनों लोग सवालों का जवाब देने से पहले एक दूसरे से नजरें जरूर मिलाते। एटीएस अफसरों ने दोनों को चेताया भी कि सवालों का जवाब सही दिया जाये।

देवरिया में हादसा : तालाब में सैर करने गई लड़कियों से भरी डोंगी नाव पलटी, तीन की मौत, एक गंभीर

देवरिया (एजेंसी)। देवरिया के भलुअनी क्षेत्र में एक ताल में डोंगी नांव पलटने से तीन किशोरियों की मौत हो गई जबकि एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसा भलुअनी क्षेत्र के गड़ेर ताल में शुक्रवार की शाम हुआ। हादसे की शिकार किशोरियां गड़ेरए गोरखपुर और मऊ की रहने वाली थीं। ये सभी एक मुंण्डन संस्कार में शामिल होने के बाद तालाब में डोंगी नाव लेकर सैर करने चली गई थीं। भलुअनी थाना क्षेत्र के गड़ेर गांव के रहने वाले रामईश्वर के बेटे अमन का शुक्रवार को मुंडन संस्कार था। इसमें शामिल होने के लिए उनके साढू और बहन की बेटी भी आई हुई थी। मुंण्डन समारोह समाप्त होने के बाद शुक्रवार की शाम ये दोनों गड़ेर की रहने वाली अन्य किशोरियों के साथ गांव के पश्चिम तरफ टहलने चली गईं। उसी दौरान गड़ेर ताल में डोंगी नांव को देखकर आधा दर्जन किशोरियां उसमें सवार हो गई और पानी में सैर करने लगीं। अभी ताल में कुछ दूर ही गई थी कि नांव अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।पानी अधिक होने के चलते सभी डूबने लगी। किसी तरह से शीतल पुत्री रामअशीष और सपना पुत्री प्रभू तैर कर बाहर निकली और शोर मचाते हुए परिजनों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही घर में अफरा.तफरी मच गई। करीब आधे घंटे के प्रयास के बाद ग्रामीणों ने ताल में डूबी चार किशोरियों को बाहर निकाला और आनन.फानन में उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जांच के बाद चिकित्सकों ने राजनंदनी ;17द्ध पुत्री हरि निवासी बढ़हलगंज गोरखपुरए लल्जन निषाद ;16द्ध पुत्री पप्पू निषाद निवासी पकड़ी थाना घोसी जिला मऊ और रीतू उर्फ गुड़की;17द्ध पुत्री बिरबल निवासी गड़ेर थाना भलुअनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं रतन ;16द्ध पुत्री रामकुमार निवासी गड़ेर की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

जलनिगम की भर्ती घोटाला

सपा सांसद आजम खान को 19 तक सीबीआई की विशेष अदालत में पेश होने का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। सीबीआई के विशेष जज मनोज पांडेय ने उ्प्रण् जलनिगम विभाग में हुए भर्ती घोटाला मामले में दाखिल आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए तत्कालीन चेयरमैन व अभियुक्त आजम खान को उपस्थित होने का आदेश दिया है। उन्होंने सीतापुर जेल के वरिष्ठ अधीक्षक को निर्देश दिया है कि 19 जुलाई को 11 बजे अभियुक्त आजम खान को इस मामले में न्यायिक अभिरक्षा में लेने के लिए उनकी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। साथ ही इस मामले में अभियुक्त गिरीश चंद्र श्रीवास्तवए नीरज मलिकए विश्वजीत सिंहए अजय कुमार यादवए संतोष कुमार रस्तोगीए रोमन फर्नाडीज व कुलदीप सिंह नेगी के विरुद्ध समन जारी करने का आदेश दिया है।

विशेष अदालत ने आजम खान व गिरीश चंद्र श्रीवास्तव के विरुद्ध आईपीसी की धारा 201ए 204ए 420ए 467ए 468ए 471 सपठित धारा 120बी व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 के तहत संज्ञान लिया है। जबकि शेष अभियुक्तों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 201ए 204ए 420ए 467ए 471ए 120 बी के साथ ही तकनीकी सूचना अधिनियम की धारा 66 के तहत संज्ञान लिया है।25 अप्रैलए 2018 को इस मामले की एफआईआर निरीक्षक अटल बिहारी ने लखनऊ की एसआईटी थाने में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान एसआईटी ने आजम खान समेत उक्त अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। जबकि अन्य अभियुक्तों के खिलाफ विवेचना अभी जारी है।

सीएम योगी ने अखिलेश पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शुक्रवार को सीएम योगी विपक्ष पर जम कर बरसे। कार्यसमिति को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमें देश विरोधी विपक्ष का चेहरा बेनकाब करना होगा। आतंकवादियों के शुभचिंतक विपक्ष की नकारात्मकता से लोगों को बचाना होगा।

योगी ने कहा कि लव जेहाद के खिलाफ हमने कदम उठाया तो विपक्ष को परेशानी हो रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विपक्ष के भ्रम और छल से सतर्क रहने की नसीहत देते हुए बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यसमिति के मंच से सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए कहा कि हमें बताना होगा कि ये जो कह रहे हैं उसका मतलब क्या है। विपक्ष के फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना होगा। लोगों को विपक्ष की नकरात्मकता से बचाना होगा। याद रखिये कोरोनाकाल में ये चेहरे कहीं नही दिखाई दिए। ये लोग अपने अपने स्तर पर सिर्फ भ्रम की स्थिति पैदा करके नकरात्मक स्थितियां पैदा कर रहे थे। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कैसे बयानबाजी कर रहा है। इसे लोगों को बताना होगा। मतांतरण के मुद्दे पर मूकबधिर बच्चो को टूल

बनाकरएउन्हें अपनी ही व्यवस्था के खिलाफ खड़ा करके भयानक स्थितियां पैदा करने की कुत्सित चेष्टा कर रहे थे।

योगी ने कहा कि लखनऊ के आतंकवाद के मुद्दे पर कैसे बयानबाजी करते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में कचहरी ब्लास्टए बिजनौर सीआरपी एफ कैम्प के हमलावरों के केस वापस करवाने वालों का कल आगरा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगवाना इनके चरित्र और चेहरे को उजागर करता है। लव जिहाद कर खिलाफ हमने कदम उठाया तो इनको परेशानी हो रही है। हमको लोगों को बताने की जरूरत है कि ये जो कह रहे हैं वो क्या हैएहमें इनके चेहरे बेनकाब करने होंगे। योगी ने कहा कि 4 वर्ष पहले गांव गरीब किसानएनौजवानएमहिलाएं सरकार के एजेंडे में नही होते थे। ये सिर्फ वोटबैंक तक सीमित होते थे। लेकिन इनके लिए जो योजनाए बनी उसका परिणाम सामने आ रहा है। आज एक क्लिक पर पैसा गरीब के खाते में जा रहा है। बैंक में भीड़ होती है।

हमने किसी की जाति एमजहब नही देखा। सबको आवासएसबको समान विद्युत आपूर्ति हो रही है। 1 लाख 21 हजार गांवो तक विद्युतीकरण किया गया। आज़ादी के बाद से अब तक इतना कभी नही हुआ था। सड़कों का जाल बिछाए वर्ना उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता था जहां से गड्ढे शुरू हों वो उत्तर प्रदेश है। जहां अंधेरा शुरू हो वही उत्तर प्रदेश था। लेकिन प्रदेश वही है। सिस्टम वही है। सरकार में चेहरे बदले और कार्य सम्पनन्न हुए। उत्तर प्रदेश के बारे में देश मे छवि बनी कानून व्यवस्था का मानक तय हुआ। सीएम ने कहा कि आज प्रदेश में निवेश का माहौल है। मुम्बई से ढाई लाख करोड़ का निवेश लेकर आ गए। आज उद्योगपति कहते हैं कि 5 साल पहले हम यहां आना नही चाहते थेएलेकिन अब हम यहां निवेश करना चाहते है।

प्रयागराजः मां को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखने की कीमत मासूम ने चुकाई, मारकर गड्ढे में फेंक दिया

सहसों (प्रयागराज) (एजेंसी)। प्रयागराज के सहसों में मासूम अंशु (बदला हुआ नाम) की नृशंस हत्या कर हाथ काटे जाने के चर्चित मामले से शुक्रवार को पुलिस ने पर्दा उठा दिया। पुलिस की जांच से साफ हुआ कि अंशु की हत्या उसकी मां के प्रेमी ने अपने साथी की मदद से की थी। असल में गांव के विक्रम सिंह नामक शख्स से अंशु की मां के प्रेम संबंध थे।

घटना वाली रात विक्रम अंशु की मां से बाग में मिलने पहुंचा। अंशु ने मां को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। अंशु के पहुंचने पर उसकी मां तो जल्दबाजी में भाग गई लेकिन बिटिया को वहीं छोड़ गई। राज खुल जाने के डर से विक्रम ने अंशु को एक गड्ढे में पटक दिया और अपने साथी अर्जुन की मदद से गला घोंट दिया। इसके बाद शव पानी में फेंककर भाग गए। एसपी गंगापार

धवल जायसवाल के मुताबिक गंदे पानी में पड़े रहने से शव सड़ गया था। इसी वजह से हाथ गल गया था। पुलिस ने विक्रम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसका साथी अर्जुन उर्फ राजेंद्र फरार है। उसकी तलाश चल रही है। हत्या का खुलासा होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली है। दरअसल मामले को लेकर भीम आर्मी, बसपा और कांग्रेस के नेता लगातार प्रदर्शन कर रहे थे।

सहसों के एक गांव की 11 वर्षीय अंशु तीन जुलाई को मां के साथ बाग गई और लापता हो गई थी। घरवालों ने सरायइनायत थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई तो पुलिस ने तलाश शुरू की। इसके बाद बिटिया की लाश एक गड्ढे में सड़ी गली हालत में मिली। माना गया कि दुष्कर्म के बाद हत्या की गई। मामले को लेकर प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से शव का पोस्टमार्टम कराया तो दुष्कर्म की बात सामने नहीं आई। घरवालों ने किसी पर शक नहीं जताया था। पुलिस शुरू से ही इस घटना के पीछे करीबी का हाथ होने का दावा कर रही थी। मामला हॉररकिलिंग से जोड़कर देखा जाने लगा। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने गांव के विक्रम सिंह को उठा लिया। सख्ती होने पर उसने सारी कहानी बयां कर दी।

एसपी धवल जायसवाल के मुताबिक, चकिया घरहरा गांव के विक्रम सिंह (52) कस बालिका की मां से संबंध था। विक्रम ने उसे बाग में मिलने बुलाया तो वह लड़की को लेकर पहुंच गई। लड़की आम बीनने लगी तो विक्रम और महिला पेड़ के पीछे चले गए। इसी बीच लड़की टार्च लेकर पहुंच गई। बेटी को देख मां तो घर भाग गई लेकिन विक्रम ने उसे दबोच लिया और साथी चकिया घरहरा निवासी अर्जुन उर्फ राजेंद्र उर्फ राजू पटवा के साथ मिलकर हत्या कर दी।

मुख्तार अंसारी की बढ़ेंगी मुश्किलें

फर्जी कागजात से शस्त्र लेने के मामले में आरोप तय

प्रयागराज (एजेंसी)। पिछले कई वर्षों से लगातार जेल में बंद मुख्तार अंसारी के विरुद्ध विशेष न्यायालय ने 34 वर्ष पूर्व हुई घटना के मामले में आरोप तय किए। वीडियो कांफ्रेंसिंग से पढ़कर सुनाए और समझाने के बाद मुख्तार अंसारी ने आरोपों से इनकार किया और गवाहों को पेश कराने की मांग की। यह आरोप माननीयों की अदालत के विशेष न्यायाधीश आलोक कुमार श्रीवास्तव ने लोक अभियोजक राजेश कुमार गुप्ता, वीरेंद्र कुमार सिंह के द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध तथ्यों को बताए जाने एवं मुख्तार अंसारी को पढ़कर सुनाए व समझाने के पश्चात तय किए गए। अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

के माध्यम से जेल में बंद मुख्तार अंसारी को बताया कि 10 जून 1987 को आपके द्वारा दुनाली बंदूक के लाइसेंस के लिए एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। इस पर जो रिपोर्ट लगी, वह फर्जी थी तथा तत्कालीन जिलाधिकारी आलोक रंजन के फर्जी हस्ताक्षर कूट रचना करके शस्त्र लाइसेंस प्राप्त किया गया। इस कार्य के लिए कर्मचारियों के साथ भी साजिश की गई और उन्हें लाभ दिया गया जो कि भारतीय दंड संहिता की विभिनन्न धाराओं के साथ-साथ भ्रष्टाचार विरोधी अधिनियम के अंतर्गत भी दंडनीय है और इस न्यायालय के संज्ञान में है।

विंध्यवासिनी दरबार में उमड़ा भक्तों का हुजूम, नई व्यवस्था से कोरोना प्रोटोकाल हुआ ध्वस्त

विन्ध्याचल (मिर्जापुर) (एजेंसी)। गुप्त नवरात्र के षष्ठी तिथि को मुंडन और जनेऊ का शुभ मुहूर्त होने के के कारण मां विंध्यवासिनी के दरबार में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। तीर्थ पुरोहितों

के मुताबिक लगभग तीन लाख भक्तों ने मां का दर्शन पूजन किया। प्रशासन की तरफ से दर्शन पूजन के लिए नया नियम लागू करने से श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतें हुईं। वीवीआईपी श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के दानपात्र की तरफ की लाइन आरक्षित कर दी गई थी। उस लाइन में आम श्रद्धालुओं को खड़ा ही नहीं होने दिया गया।श्रद्धालुओं के लिए गर्भगृह में प्रवेश के लिए केवल एक लाइन बनाए जाने से गणेश द्वार की तरफ काफी भीड़ हो गयी। इससे जहां कोरोना प्रोटोकाल ध्वस्त हो गया, वहीं लाइन में खड़े बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग गर्मी से गश खाकर गिरते भी रहे। इस दौरान वीआईपी लाइन पूरी तरह खाली रही और पुलिसकर्मी मूक दर्शक बने रहे। प्रशासन की इस व्यवस्था को लोग कोसते नजर आए। दर्शन के लिए भक्तों को घंटों लाइन में लगे रहना पड़ा। गुरुवार की रात से ही दूर-दराज के श्रद्धालु विंध्यधाम में डेरा जमा लिए थे। वहीं अल सुबह से ही भक्तों के चार पहिया वाहनों के आने का सिलसिला शुरू हुआ तो पूरे दिन भक्त मां के दरबार में दर्शन पूजन के लिए आते रहे। विंध्यधाम के सभी होटल, धर्मशाला, लाज बुक हो गए थे।

दिल्ली से लापता युवक का सिर कटा शव बागपत में मिला, कपड़ों से हुई पहचान

बागपत (एजेंसी)। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के मुबारिकपुर गांव के जंगल में ज्वार के खेत में दिल्ली के व्यक्ति का सिर कटा शव मिलने से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। शव की शिनाख्त कपड़ों मिले कागजातों के आधार पर की गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मृतक के परिजनों ने घटनास्थल पर पहुंचकर हत्या किये जाने की आशंका जताई। वहीं, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। सूचना मिलने पर सीओ खेकड़ा भी मौके पर पहुंच गए थे।शुक्रवार सुबह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के पास मुबारिकपुर गाव के जंगल में भीम के ज्वार के खेत में एक व्यक्ति का सिर कटा शव मिला। जिसका पता चलते ही ग्रामीण और खेकड़ा सीओ युवराज सिंह व थाना प्रभारी शिवप्रकाश पहुंचे।

प्रवर्तन निदेशालय ने चार कंपनियों को मनी लांड्रिंग में पकड़ा, बेहिसाब संपत्तियां मिलीं

लखनऊ (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने चार कंपनियों को मनी लांड्रिंग में पकड़ा है। इनमें से तीन कंपनियां भदोही तथा एक गुड़गांव की है। राजधानी में इन कंपनियों तथा इनके मालिकों की संपत्तियों की तलाश की जा रही है। इनमें से एक कंपनी की मोहनलालगंज में बेहिसाब संपत्ति होने की जानकारी मिली है। मनी लांड्रिंग में फंसी चार कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज कर प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू कर दी है। इसके तहत इन कंपनियों की लखनऊ में भी संपत्तियां तलाशी जा रही हैं।

प्रवर्तन निदेशालय को पता चला कि कंपनियों ने लखनऊ में भी बड़ी संख्या में संपत्तियां खरीदी हैं। शॉपिंग मॉल के साथ फैक्ट्री के नाम पर भी जमीन खरीदने की जानकारी मिली है। प्रवर्तन निदेशालय विशाखापट्टनम ने इस संबंध में 28 जून को लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने इन चारों कंपनियों

सहित कुल आठ लोगों के नाम भेजे थे। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरपाल सिंह ने 12 जुलाई को एलडीए, आवास विकास परिषद, नगर निगम तथा सहायक महानिरीक्षण निबंधन प्रथम व द्वितीय को इसके संबंध में पत्र लिखा था। सभी विभागों से कंपनियों की संपत्तियों को तलाशने के लिए कहा गया है। इस कड़ी में इन कंपनियों की मोहनलालगंज में बेहिसाब जमीनें होने की जानकारी मिली है। इसी तरह एलडीए में भी कुछ संपत्तियां होने की बात पता चली है। सीजी सिटी में भी इन कंपनियों ने कुछ जमीनें खरीदी हैं। जल्द ही इसकी पूरी रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय को भेजी जाएगी। कंपनियों तथा उनके मालिकों ने विदेशों से पैसे लेकर मनी लांड्रिंग की है। लखनऊ के अलावा इन कंपनियों की संपत्तियां भदोही में भी तलाशी जा रही है।प्रवर्तन निदेशालय ने रॉयल कारपेट इंटरनेशनल भदोही, शोभा वूलेन्स प्राइवेट लिमिटेड भदोही, काका ओवरसीज लिमिटेड गुड़गांव, काका कारपेट्स भदोही के खिलाफ जांच शुरू की है। इसके अलावा इनके मालिकान व अधिकारी तृषि राय, नीतीश राय, यादवेंद्र कुमार राय तथा रीता राय के खिलाफ भी प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू की है।

खेल

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में, आईसीसी ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज में मैच देखने को मिलेगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारत और पाकिस्तान को सुपर 12 के ग्रुप-2 में साथ रखा है। सुपर 12 में दो ग्रुप हैं, जिनमें छह-छह टीमों को रखा गया है। ग्रुप-2 में भारत के साथ पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, ग्रुप-ए की रनर-अप, ग्रुप-बी की चैंपियन टीम होगी, वहीं ग्रुप-1 में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, ग्रुप-ए की रनर-अप, ग्रुप-बी की विनर टीम होगी। ग्रुप-ए में श्रीलंका, आयरलैंड, नीदरलैंड और नामीबिया की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, स्कॉटलैंड, पपुआ न्यू गिनी और ओमान हैं।

इस बार श्रीलंका, बांग्लादेश जैसी टीमें भी टी20 वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालीफाई नहीं कर पाई है। श्रीलंका और बांग्लादेश को सुपर-12 के लिए क्वालिफाई करने के लिए अपने-अपने ग्रुप में विजेता या उप-विजेता बनना होगा। ग्रुप का चयन 20 मार्च 2021 की रैंकिंग के हिसाब से हुआ है। टी20 वर्ल्ड कप 17 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में खेला जाना है। पहले टी20 वर्ल्ड कप भारत में खेला जाना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते इसको यूएई शिफ्ट करना पड़ा। टूर्नामेंट की मेजबानी हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जिम्मेदारी ही होगी।

बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने कहा, 'ग्रुप की घोषणा के बाद से टी20 वर्ल्ड कप का काउंटडाउन शुरू हो गया है। दोनों ही ग्रुप के मैच काफी दिलचस्प होंगे। मैं पहले भी कह चुका हूं कि टी20 फॉर्मेट सरप्राइज से भरा होता है और हमें इसका इंतजार करना चाहिए। मुझे पूरा भरोसा है कि हमें कुछ बहुत रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे।' वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के साथ ओमान को वर्ल्ड क्रिकेट के सामने लाना अच्छा रहा। इससे युवा क्रिकेटरों को इस खेल में दिलचस्पी लेने में मदद मिलेगी।'

नोवाक जोकोविच ने किया कंफर्म, टोक्यो ओलंपिक में लेंगे हिस्सा

बेलग्रेड (एजेंसी)। मौजूदा समय में दुनिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। विम्बलडन चैम्पियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह टोक्यो ओलंपिक खेलेंगे जिससे गोल्डन स्लैम का उनका सपना पूरा हो सकता है। 34 साल के जोकोविच ने ट्वीट किया कि उन्होंने टिकट करा ली है और ओलंपिक में सर्बिया के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है।जोकोविच ने रविवार को ही विम्बलडन जीता जो, उनके कैरियर का 20वां ग्रैंडस्लैम खिताब है। उन्होंने इसके बाद कहा था कि वह अभी कह नहीं सकते कि टोक्यो ओलंपिक खेलेंगे या नहीं। अगर वह टोक्यो ओलंपिक में सिंगल गोल्ड जीतते हैं।

युजवेंद्र चहल ने बताया, प्रैक्टिस सेशन के बाद कैसे गपशप कर रहे हैं टीम इंडिया के खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरे पर रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए शिखर धवन की कप्तानी वाली युवा टीम दिन-रात कड़ी मेहनत कर रही है। टीम के खिलाड़ियों ने गुरुवार को ही पहली बार लाइटस के अंदर प्रैक्टिस किया था। हालांकि प्रैक्टिस के बाद खिलाड़ी मस्ती भी कर रहे हैं और गप्पे लड़ा रहे हैं। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शुक्रवार को कोलंबो में ट्रेनिंग सेशन के बाद अपने और टीम साथियों की बातचीत साझा करते हुए एक फोटो पोस्ट की है। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के स्पिनर के साथ सूर्यकुमार यादव, पृथ्वी शॉ, नवदीप सैनी, दीपक चाहर और मनीष पांडे भी शामिल हुए।

चहल ने इस फोटो को अपने

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'गपशप करने का टाइम' फोटो में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, चहल, शॉ और दीपक चाहर के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वहीं, आरसीबी के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी कैमरे को पोज देते हुए नजर आए। भारतीय टीम के खिलाड़ी इस दौरे के लिए टीम के कोच नियुक्त किए राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारत और श्रीलंका के बीच लिमिटेड ओवरों की सीरीज 13 जुलाई से शुरू होनी थी, लेकिन श्रीलंकाई टीम के अंदर कोरोना के मामले सामने आने के बाद सीरीज को रिशेड्यूल कर दी गई थी। लिमिटेड ओवरों की सीरीज के सभी कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे।

श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया को 'बी टीम' बताने वाले अर्जुन राणातुंगा को पूर्व भारतीय स्पिनर ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज और 1996 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कप्तान अर्जुन राणातुंगा के बयान पर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई श्रीलंकाई और भारतीय खिलाड़ियों ने उनके उस बयान की आलोचना की थी जिसमें उन्होंने श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम को भारत की बी टीम करार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह श्रीलंका क्रिकेट का अपमान है। इसके बाद से कई पूर्व खिलाड़ियों ने इसपर अपनी राय रखी है। इस लिस्ट में अब भारत के पूर्व स्पिनर और भारत के पूर्व चीफ सिलेक्टर रह चुके वेंकटपति राजू भी शामिल हो गए है।

बाएं हाथ के पूर्व गेंदबाज ने राणातुंगा के इस बयान को 'अनावश्यक' बता दिया है। 'हिन्दुस्तान टाइम्स' अखबार से बात करते हुए राजू ने कहा, 'मैं इस 'बी टीम' जैसे शब्द पर विश्वास नहीं करता। ये सभी खिलाड़ी महत्वाकांक्षी हैं। आप इन्हें बी टीम नहीं कह सकते। यहीं पर राणातुंगा गलत साबित हुए, उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। ये एक महान क्रिकेटर के द्वारा की गई एक अनावश्यक टिप्पणी थी।'उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें तो खुश होना चाहिए कि इन विपरित परिस्थितियों में भी टीम श्रीलंका आ रही है। श्रीलंका भी एक युवा टीम बनाने की तैयारी कर रहा है, टी-20 वर्ल्ड कप के लिए युवाओं को मौका दे रहा है। मैं थोड़ा हैरान हूं कि इतने महान खिलाड़ी होकर भी उन्होंने ऐसा कहा। मुझे लगता है भारत की ये टीम बिल्कुल प्रोफेशनल है, श्रीलंका क्रिकेट अभी संघर्ष कर रहा है। राजू भारत के लिए 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के सिलेक्शन कमेटी के सदस्य रह चुके हैं। राजू ने भारत के लिए खेले गए 28 टेस्ट में 93 और 53 वनडे मैचों में 63 विकेट लिए हैं।

सिलेक्टर्स पर पाक के पूर्व तेज गेंदबाज ने कसा तंज, बोले-

पाकिस्तान की टी20 टीम में खिलाड़ी कम रेसलर ज्यादा दिखाई देते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड की अनुभवहीन टीम से वनडे सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान की क्रिकेट टीम की आलोचना की है। आकिब जावेद ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर गई पाकिस्तान की मौजूदा टी20 टीम के खिलाड़ी क्रिकेटरों की तुलना में रेसलरों की तरह ज्यादा दिखते हैं। पाकिस्तान की टीम का इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया था। आकिब जावेद ने जियो न्यूज चैनल से कहा,' वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं या उनकी दिशा क्या है। मैं टी20 टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा रेसलर देखता हूं। शरजील खान, आजम खान, सोहेब मकसूद की फिटनेस इंटरनेशनल लेवल पर सवालिया

निशान उठाती है।' पाकिस्तान शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगा। जावेद ने कहा कि सिलेक्टर्स ने सोहेब मकसूद को पीएसएल में उनके प्रदर्शन के आधार पर टी20 में जगह दी है। उन्हें ये नहीं पता कि वो किस पोजीशन पर खेलेगा।

उन्होंने सिलेक्टर्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आप टीम को देखें तो एक ही तरह के कई खिलाड़ी के या एक स्थान के लिए कई खिलाड़ी दिखाई देंगे। क्या यही आगे बढ़ने का रास्ता है कोविड नियमों का उल्लंघन करने के लिए हैदर अली को बाहर किए जाने के बाद मकसूद को पाकिस्तान टीम में शामिल किया गया है। यूएई के मुख्य कोच रहे आकिब ने व्हाइट बॉल क्रिकेट के बारे में स्पष्ट नजरिया रखने के लिए इंग्लैंड टीम प्रबंधन की काफी प्रशंसा की और कहा कि सभी परिस्थितियों में अच्छा रन-रेट बनाए रखने पर जोर देने से उन्हें काफी सफलता मिली है।

गल ने किया क्वालीफाई, लेकिन खेलने पर सस्पेंस कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार मेंस सिंगल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अगले सप्ताह से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) ने कंफर्म करते हुए कहा है कि नागल ने मेंस सिंगल की रैंकिंग के आधार पर आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

नागल इस समय एटीपी वर्ल्ड रैंकिंग में 154 वें नंबर पर है। उन्होंने 24 अगस्त 2020 को करियर की अपनी बेस्ट रैंकिंग हासिल की थी, जब वह 122वें नंबर पर पहुंचे थे। एआईटीए के महासचिव अनिल धुपर ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि नागल ने टोक्यो ओलंपिक का टिकट कटा लिया है। उन्होंने कहा, ' हां, उन्होंने क्वालिफाई कर लिया है, लेकिन हमें कई चीजों पर गौर करना होगा। किसी खिलाड़ी के अपना नाम वापस लेने के चलते सुमित नागल इस मेल के लिए क्वालीफाई हो गए हैं और अब हम सुमित से बात करेंगे। हम पहले से ही प्रोसेस में हैं, अगर संभव हुआ तो हम उनसे बात करेंगे क्योंकि समय बहुत कम है।

सुरेश रैना ने की गांगुली को टीम से बाहर करने वाले ग्रैग चैपल की जमकर तारीफ, बोले- हम भाग्यशाली थे कि उनके जैसा कोच मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रैग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के तौर पर साल 2005 से 2007 तक काम किया। उनका कार्यकाल काफी विवादों से रहा।

चैपल के कोच रहते सौरव गांगुली को पहले कप्तानी गंवानी पड़ी थी और उसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का चैपल के प्रति नजरिया बिल्कुल अलग है। सुरेश रैना ने चैपल की तारीफ करते हुए कहा कि वो भाग्यशाली थे कि उन्हें उनकी कोचिंग में खेलने का मौका मिला। गौरव कपूर के साथ द 22 यार्न्स पोडकास्ट में बातचीत करते हुए सुरेश रैना ने कहा, 'मुझे लगता है कि ग्रेग चैपल और राहुल द्रविड़ बहुत अनुशासित थे।

मैंने और टीम में आए कई अन्य युवाओं ने वास्तव में कड़ी मेहनत की। वे चाहते थे कि टीम में ढेर सारे युवा खिलाड़ी हों। हम भाग्यशाली थे कि हमें

उनके जैसा कोच मिला जहां उन्होंने जूनियर खिलाड़ियों का समर्थन किया। वह भारत को नंबर वन फील्डिंग साइड बनाना चाहते थे।'

गौरतलब है कि चैपल के कोच रहते सुरेश रैना की भारतीय टीम में एंट्री हुई थी और वो एमएस धोनी की अगुवाई में 2011 का वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। रैना ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। लेकिन वो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेल रहे हैं। रैना ने उत्तर प्रदेश के पूर्व कप्तान और पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ की भी तारीफ की।

उन्होंने कहा कि कैफ ने उन्हें बेहतर कप्तान बनने में मदद की। रैना ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि एमएस धोनी ने सिखाया कि एक लीडर के तौर पर खिलाड़ियों का कैसे सपोर्ट किया जाता है।

उन्होंने कहा, ' मैंने कप्तानी के बारे में रणजी ट्रॉफी के दौरान अपने उत्तर प्रदेश के कप्तान कैफ भाई से भी बहुत कुछ सीखा। मेरे पास गुजरात लायंस में ड्वेन स्मिथ, ब्रेंडन मैकुलम आदि जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी थे, इसलिए मैंने उनसे भी सीखा। मैंने एमएस धोनी से भी बहुत कुछ सीखा और सीएसके के लिए कुछ मैचों में कप्तानी भी की। उन्होंने मुझे सिखाया कि एक कप्तान के रूप में खिलाड़ियों का सपोर्ट कैसे किया जाता है।

जापान में युगांडा का एक एथलीट लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने पहुंचा युगांडा के एक एथलीट के लापता होने से हड़कंप मचा गया है। जानकारी के अनुसार गायब होने वाला एथलीट का नाम जूलियस सेकिटोलेको है और वह एक वेटलिफ्टर है। जापान की पुलिस इस एथलीट की तलाश में जुटी हुई है, लेकिन अभी तक इस खिलाड़ी का पता नहीं लग सका है। बताया जा रहा है कि हर रोज होने वाले पीसीआर टेस्ट के लिए समय उनको होटल में नहीं पाया गया। टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत 23 जुलाई से होनी है और यह टूर्नामेंट 8 अगस्त तक चलेगा। सभी देशों के एथलीट ओलंपिक में हिस्सा लेने के जापान पहुंच रहे हैं।

इजुमिसानो सिटी ने एक बयान जारी कहा कि युगांडा दल का एक सदस्य, जिसको सिटी ने होस्ट टाउन के रूप में प्राप्त किया था, वह मिसिंग है और उसका अबतक पता नहीं चल सका है। सिटी इस एथलीट को खोजने की पूरी कोशिश

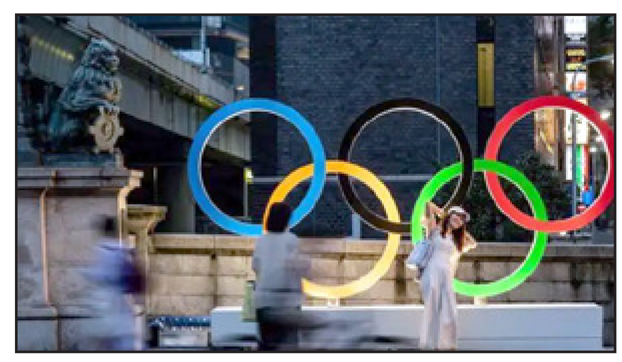

कर रही है और हमने इस मामले की जानकारी पुलिस को भी दे दी है। कहा जा रहा है कि सेकिटोलेको को आखिरी बाद आधी रात के बाद साथी एथलीट ने होटल में देखा था। लेकिन, जब पीसीआर टेस्ट के लिए इस खिलाड़ी को दोपहर के समय नहीं पाया गया था तब हड़कंप मचा गया। युगांडा टीम का दल जापान में पिछले महीने पहुंचा था और इजुमिसानो में गेम से पहले ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेना जा रहा था। लेकिन यहां पहुंचने के बाद टीम के एक कोच कोरोना की चपेट में आ गए और उसके बाद दल के बाकी सदस्यों को सेल्फ आइसोलेट होने का कहा गया।

जापान में कोरोना वायरल के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। इस हफ्ते टोक्यो में पिछले छह महीने के मुकाबले सबसे ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। टोक्यो में आपातकाल का चौथा दौर लागू है जो सोमवार से शुरू हुआ। ओलंपिक के दौरान रेस्टोरेंट और बार जल्दी बंद होंगे और अल्कोहल नहीं परोसी जाएगी। जापान में अब तक 828000 मामले आ चुके हैं और 15000 मौतें हो चुकी हैं।

विजेंद्र सिंह ने पूर्व खिलाड़ियों को प्रमोशन ना देने पर हरियाणा सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बॉक्सर और ओलंपिक पदक विजेता विजेंद्र सिंह ट्विटर पर बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाने जाते हैं। 13 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक खेलों में जाने वाले खिलाड़ियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने देशवासियों ओलंपिक में जाने वाले अपने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने क्षम्यी4र्द्धी कैंपेन की शुरुआत की है। विजेंद्र सिंह ने ट्विटर पर हरियाणा पुलिस में काम कर रहे कई खिलाड़ियों के रुके हुए प्रमोशन को लेकर हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। विजेंद्र ने ट्वीट कर कहा, 'हरियाणा में मेडल पाए खिलाड़ियों को पिछली सरकार ने नौकरी दी, लेकिन मौजूदा सरकार खिलाड़ियों के प्रमोशन को

तैयार नहीं है। बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकारों की ये असलियत है ' एक तरफ क्षम्यी4र्द्धी दूसरी तरफ खिलाड़ियों की अनदेखी अब अदालत से उम्मीद।' हरियाणा पुलिस में कई ऐसे पूर्व खिलाड़ी है जिनका प्रमोशन नहीं हुआ है और मामला कोर्ट में अटका हुआ है। हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है। पिछली सुनवाई मई के महीने में हुई थी। इसके बाद हरियाणा सरकार ने कोर्ट को जवाब देने का समय मांगा था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। उम्मीद है कि अब सरकार इस मामले पर अपना रुख साफ कर सकती है।जो एथलीट अपने प्रमोशन का इंतजार कर रहे है उनमें, टी-20 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे जोगिंदर शर्मा, पूर्व महिला हॉकी टीम की कप्तान सुरिन्दर कौर और ममता खरब, पूर्व पुरुष हॉकी टीम के कप्तान सरदार सिंह, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में पदक विजेता, कुश्ती खिलाड़ी गीतिका जाखड़ और ओलंपिक खेलने वाले बॉक्सर अखिल कुमार और जितेन्द्र कुमार का नाम शामिल है। हरियाणा सरकार ने इसपर र कहा है, 'ये एथलीट शामिल होने के बाद भी खेल में सक्रिय थे और सक्रिय सेवा नहीं करते थे, खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के कारण ही उन्हें फोर्स में लिया गया है।'

भुवनेश्वर कुमार ने टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य पर कहा, कोई फेवरेट फॉर्मेट नहीं है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में से किसी एक को प्राथमिकता नहीं देना चाहते, लेकिन वह भविष्य में एक बार फिर टेस्ट क्रिकेट में सफेद जर्सी पहनने के खिलाफ नहीं हैं। इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान उनकी कमी महसूस की गई और अब उन्होंने हाल में हो रही चर्चाओं के संबंध में बात साफ कर दी जिसमें कहा जा रहा था कि वह खुद ही टेस्ट नहीं खेलना चाहते। भुवनेश्वर ने कहा, ' ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए कोई प्राथमिकता नहीं है भले ही यह लाल गेंद का क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का। अगर मैं रेड बॉल क्रिकेट के लिए चुना जाता हूं और मैं टीम का हिस्सा होता हूं तो मैं निश्चित रूप से योगदान करने की कोशिश करूंगा।

चेतेश्वर पुजारा को पहले टेस्ट से बाहर किए जाने की खबरों पर आकाश चोपड़ा ने कहा- 'मुझे विश्वास नहीं हो रहा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दोनों पारियों में विफल रहने के बाद भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा पर इंग्लैंड के खिलाफ चार अगस्त से होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में रन बनाने को लेकर दबाव है। हालांकि उससे पहले ही पुजारा को टेस्ट सीरीज के पहले मैच से बाहर करने की खबरें चल रही हैं, जिस पर भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। खबरों में कहा जा रहा है कि केएल राहुल या हनुमा विहारी में से कोई एक पुजारा की जगह ले सकता है। लेकिन चोपड़ा ने कहा है कि उन्हें ऐसी खबरों पर विश्वास नहीं हो रहा है।

चोपड़ा ने अपने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक फैन के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत ने पिछली बार जब इंग्लैंड का दौरा किया था, तो पुजारा ने शतक लगाया था और उसे देखते हुए उन्हें अपने स्थान पर बने रहने में

मदद मिलनी चाहिए। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'रिपोर्ट आती है, लेकिन मैं उस खबर पर विश्वास नहीं कर रहा हूं क्योंकि पिछली बार जब भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया था, तब चेतेश्वर ने शतक बनाया था। हां, मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे हैं कि इंग्लैंड में उनका औसत 30 से कम है और उन्होंने वहां दो या तीन बार दौरा किया है। उन्होंने हाल ही में डब्ल्यूटीसी में भी रन नहीं बनाए। उनकी खेलने की शैली बहुत अच्छी है, टीम को भी कई बार उनसे बहुत फायदा होता है। लेकिन बार-बार विवाद सिर उठाता है कि आप इतना समय ले रहे हैं और खेल को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं।'

चोपड़ा हालांकि चाहते हैं कि टीम इंडिया चेतेश्वर पुजारा के साथ बनी रहे। उन्होंने कहा, ' लेकिन मैं निश्चित रूप से चेतेश्वर पुजारा को पहले टेस्ट मैच में खेलते हुए देखता हूं। मेरी राय में, इस समय, मैं उन्हें बाहर नहीं करूंगा। मैं चेतेश्वर पुजारा के साथ जारी रखूंगा। मैं पुजारा से भी उम्मीद करूंगा। इंग्लैंड में उनका औसत 29 और दो साल के डब्ल्यूटीसी में एकसमान औसत, पुजारा का यह औसत नहीं है। उन्होंने सभी मैच खेले, कुछ महत्वपूर्ण पारियां थीं, लेकिन बड़े स्कोर नहीं बने। पुजारा ने टेस्ट में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2019 के सिडनी टेस्ट में शतक बनाया था। तब से अब तक उन्होंने जो 18 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 28.03 की औसत से 841 रन बनाए हैं।

पंजाब कांग्रेस के मैच में बोल्ड होंगे सिद्धू! कैप्टन के बड़े खिलाड़ी मनीष तिवारी का हाईकमान को इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच मची रार के बीच पार्टी नेता मनीष तिवारी ने भी दांव चल दिया है। पंजाब की आबादी में सिखए हिंदू और दलितों की हिस्सेदारी बताते हुए मनीष तिवारी के ट्वीट को लेकर भी अटकलें लगने लगी हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिकए कैप्टन के श्खिलाड़ीश् कहे जाने वाले तिवारी ने एक तरफ सिद्धू का विकेट गिराने की कोशिश की है तो अपने पक्ष में हाइकमान को इशारा भी कर दिया है।

ट्वीट में तिवारी ने कहा है कि पंजाब की आबादी में 57ण्75 फीसदी सिख हैं तो 38ण्49 फीसदी हिंदू और 31ण्94 फीसदी हिस्सेदारी दलितों ;सिख और हिंदूद्ध की है। उन्होंने आगे कहाए श्पंजाब प्रगतिशील और सेक्युलर है। सामाजिक हित समूहों को संतुलित करना अहम है। समानता। पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि ट्वीट के जरिए तिवारी ने कांग्रेस नेतृत्व को यह बताने की कोशिश की है कि पंजाब में पार्टी के लिए बैलेंस बनाना अहम हैए जहां 2022 की शुरुआत में चुनाव होना है। तिवारी पूर्व केंद्रीय मंत्री और पंजाब के आनंदपुर साहिब से सांसद हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह तिवारी को पंजाब में कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के पक्ष में हैं। यह ट्वीट ऐसे समय पर आया है जब नवजोत सिंह सिद्धू ने एक बार फिर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की है। पंजाब कांग्रेस में दरार के बीच नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने के संकेत दिए जा रहे हैं। सिद्धू ने गुरुवार को अमरिंदर के मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा के घर बैठक की थी। कैप्टन ने भी अपने करीबियों के साथ रणनीति बताई। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सोनिया गांधी से भी बात की और सिद्धू को कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की।

लोकतंत्र बचाने को खत्म की जाए इविएम से वोटिंग, बैलट पेपर से चुनाव के लिए दायर हुई याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव के बाद अक्सर ईवीएम को लेकर शिकायतों का दौर शुरू हो जाता है। इसके बाद हारने वाली पार्टियां बैलट पेपर से चुनाव कराने की दुहाई देने लगती हैं। अब दिल्ली हाई कोर्ट में दायर एक याचिका में लोकतंत्र को बचाने की दुहाई देते हुए आने वाले सभी चुनाव बैलट पेपर से कराने की मांग की गई है। वकील सीआर जया सुकिन ने यह याचिका दायर की है। जया सुकिन का कहना है कि भारत में लोकतंत्र को बचाना है तो आने वाले सभी चुनावों में हमें ईवीएम हटाकर एक बार फिर से बैलट पेपर से चुनाव कराने होंगे। उन्होंने आगे कहाकि दुनिया के कई देशों मसलनए इंग्लैंडए फ्रांसए जर्मनीए हॉलैंडए और अमेरिका ने भी ईवीएम पर प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की डिवीजन बेंच ने तीन अगस्त तक के लिए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी है। याचिकाकर्ता ने आगे कहाकि भारतीय संविधान की धारा 324 कहती है कि चुनाव आयोग द्वारा कराए जाने वाला चुनाव साफ.सुथरा होना चाहिए। साथ ही इसमें वोटर्स की सहमति की झलक मिलनी चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना है कि पूरे भारत में ईवीएम को रिप्लेस कर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक किसी भी देश में मतपत्रों से चुनाव ज्यादा भरोसेमंद और पारदर्शी प्रक्रिया है। वकील ने अपनी याचिका में यह भी कहाकि तमाम विकसित देशोंए अमेरिकाए जापानए जर्मनी और अन्य ने चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है। इसकी जगह पर वहां मतपत्रों से चुनाव कराए जा रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि ईवीएम चुनाव कराने के लिए संतोषजनक उपकरण नहीं है। इसे हैक किया जा सकता हैए लेकिन बैलट पेपर पूरी तरह से सुरक्षित है।

सही शोध के बिना बच्चों को कोविड-19 के टीके लगाए गए तो यह आपदा होगी ः दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को समयबद्ध तरीके से बच्चों के लिए टीकों पर शोध की मांग करने वाले याचिकाकर्ता की अपील पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर उचित शोध के बिना बच्चों को कोविड.19 के टीके लगाए जाते हैं तो यह एक आपदा हो सकती है। चीफ जस्टिस डीण्एनण् पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने कहा कि यदि बच्चों को उचित शोध के बिना टीका लगाया जाता है तो यह एक आपदा होगी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील कैलाश वासुदेव ने तर्क दिया कि बच्चों के लिए टीके का परीक्षण कब समाप्त होगाए इसके लिए एक विशिष्ट समयरेखा होगी।

हाईकोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर याचिकाकर्ता इस तरह की दलीलें देता है तो वह मामले का निपटारा कर देगी और शोध के लिए कोई समयसीमा नहीं हो सकती। वहींए केंद्र सरकार ने एक हलफनामे में हाईकोर्ट को बताया कि 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कोविड वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल जारी है और यह पूरा होने की कगार पर पहुंच गया है। केंद्र ने कहा कि सरकार इसके लिए पॉलिसी बनाएगी और एक्सपर्ट्स की मंजूरी के बाद ही बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।केंद्र ने बताया कि फार्मास्युटिकल कंपनी जायडस कैडिला ;लकने ब्कपसंद्ध की ब्टप्क.19 वैक्सीन निकट भविष्य में 12 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उपलब्ध हो सकती है। केंद्र ने कहा कि जायडस कैडिला ने 12 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए अपना ट्रायल पूरा कर लिया है और यह वैधानिक अनुमति के अधीन है। बेंच ने कहा कि ट्रायल पूरा हो जाने दीजिएए नहीं तो बिना ट्रायल के बच्चों को वैक्सीन लगाने से यह आपदा हो जाएगी। बेंच ने कहा कि एक बार ट्रायल पूरे हो जाएं तो आप जल्द से जल्द इसे बच्चों पर लागू करें। पूरा देश इंतजार कर रहा है। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई छह सितंबर को निर्धारित की है। हाईकोर्ट एक नाबालिग की ओर से दायर जनहित याचिका ;पीआईएलद्ध पर सुनवाई कर रहा था। इसनमें 12 से 17 आयुवर्ग के बच्चों के तत्काल टीकाकरण के निर्देश देने का इस आधार पर अनुरोध किया गया था कि आशंका है कि कोविड.19 की तीसरी लहर उन्हें ज्यादा प्रभावित करेगी।

महाराष्ट्रः जलगांव में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, पायलट की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जिसमें इंस्ट्रक्टर की मौत हो गई तो ट्रेनी गंभीर रूप से घायल है। यह एयरक्राफ्ट श्घ्श्ए अकैडमी ऑफ एविएशन का है। नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने घटना पर शोक जताते हुए जांच टीम को मौके पर भेजने की बात कही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। दुर्घटना वर्दी गांव के पास हुई, जोकि सतपुरा पहाड़ी इलाके में स्थित है। शाम 5:15 पर अधिकारियों को हेलिकॉप्टर क्रैश की जानकारी मिली तो टीम को रवाना किया गया। दुर्घटना में विमान को उड़ा रहे पायलट की मौत हो गई है, जबकि ट्रेनी गंभीर रूप से घायल है।

अब डब्लूएचओ प्रमुख ने भी कहा, लैब से कोरोना लीक होने की संभावना खारिज नहीं कर सकते, चीन को देना होगा सहयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ;डब्लूयूएचओद्ध के प्रमुख ने माना है कि कोविड.19 महामारी और एक प्रयोगशाला लीक के बीच तार जुड़े होने की संभावना को खारिज करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने गुरुवार को कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कोरोना वायरस के स्रोत का पता लगाने के बीच वह चीन से और अधिक पारदर्शिता बरतने को कह रहे हैं। शुरुआत में डब्लूयूएचओ महानिदेशक टेड्रोस अदहानोम गेब्रेयेसस का रुख इस मामले में अलग थाए जबकि कई देश शुरू से इस मामले में चीन को संदेह की निगाह से देखते आ रहे हैं। गौरतलब है कि मनुष्य में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला चीन के शहर वुहान में सामने आया था।

टेड्रोस ने संवाददाताओं से कहा कि जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी चीन से उन सूचनाओं और आंकड़ों पर पारदर्शिता बरतने और सहयोग करने को कह रही है जो हमने महामारी के शुरुआती दिनों में मांगे थे। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज करने में जल्दबाजी दिखाई गयी कि वायरस वुहान में चीन सरकार की प्रयोगशाला से निकला है। उल्लेखनीय है कि डब्लूयूएचओ ने मार्च माह में दी रिपोर्ट में कहा था कि वायरस प्रयोगशाला से निकलने की संभावना बहुत ही कम है। टेड्रोस ने कहाए श्यह सामान्य बात है। मैं खुद लैब टेकनीशियन रहा हूंए मैं इम्युनोलॉजिस्ट हूं और मैंने प्रयोगशालाओं में काम किया है। प्रयोगशाला में हादसे होते हैं। हाल के महीनों में इस विचार को बल मिला है कि वैश्विक महामारी संभवतरू प्रयोगशाला से निकली है और संभवतरू वायरस को बनाया गया है। खासकर इसलिए भी क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन ने मई में अमेरिका को प्राप्त खुफिया जानकारियों की समीक्षा इस आशंका के लिहाज से भी करने को कहा था।

कोर्ट ने कहा, मां-बाप के आर्थिक हालात का हवाला देकर बैंक नहीं रोक सकते होनहार स्टूडेंट्स का एजुकेशनल लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि बैंक इस आधार पर छात्रों को एजुकेशनल लोन देने से इंकार नहीं कर सकते हैं कि उनके माता-पिता का आर्थिक स्थिति कमजोर है। हाई कोर्ट ने इस मामले में बैंक को निर्देश दिए कि वह होनहार छात्रा को तत्काल लोन का भुगतान करे। इस दौरान कोर्ट ने कहाकि एजुकेशन लोन का मकसद ही यही है कि मेहनती छात्र-छात्राएं पैसे के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रह जाएं। मामले में याचिकाकर्ता आयुर्वेद मेडिसिन और सर्जरी की छात्रा है। एजुकेशनल लोन का आवेदन अस्वीकार होने के बाद उसने कोर्ट का रुख किया था। याचिका में उसने कहाकि साल 2019 में नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट में रैंक के आधार पर सेंट्रलाइज्ड सीट एलॉटमेंट प्रक्रिया के तहत साल 2019 में एडमिशन लिया था। चूंकि उसका परिवार पढ़ाई का खर्च उठा पाने में सक्षम नहीं था इसलिए उसने 7.5 लाख रुपए के लोन के लिए बैंक में आवेदन किया था। एजुकेशन लोन में इस रकम के लिए किसी तरह के सिक्योरिटी की जरूरत नहीं होती। इसके बावजूद बैंक ने यह कहते हुए लोन देने से मना कर दिया कि छात्रा के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए लोन नहीं दिया जा सकता। गौरतलब है कि छात्रा के पिता का छोटा सा बिजनेस था, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान वह भी बंद हो गया।

भारत से दोस्ती के सवाल पर बोले पाक पीएम इमरान खान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान मध्य.दक्षिण एशिया सम्मेलन में भाग लेने के लिए ताशकंद पहुंचे हैं। यहां उनसे एक भारतीय पत्रकार ने जह भारत के साथ संबंधों को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा को जिम्मेदार ठहरा दिया।

एक न्यूज एजेंसी के पत्रकार ने उनसे पूछा क्या बातचीत और आतंकवादए दोनों साथ.साथ चल सकते हैं। इसके जवाब में इमरान खान ने कहा कि भारत के साथ रिश्तों को बेहतर करने की कोशिश करते हैंए लेकिन आरएसएस की विचारधारा बीच में आ गई है।आपको बता दें कि भारत हर अंतर्राष्ट्रीय मंच से आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को घेरता है। भारत का साफ.साफ कहना है कि पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को आश्रय देना बंद नहीं करता हैए तब तक बातचीत संभव नहीं है। ...स्तान को दोषी ठहराए जाने संबंधी अफगानी राष्ट्रपति अशरफ गनी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि ऐसा कहना बहुत ही गलत है। गनी ने कहा था कि अफगान शांति प्रकिया में पाकिस्तान की भूमिका नकारात्मक रही है और उनके इसी बयान पर इमरान खान ने शुक्रवार को यह प्रतिक्रिया व्यक्त की।

2 माह की राहत के बाद फिर दुनिया में लौट रही आफत, डेल्टा ने कई देशों को चिंता में डाला, 10 फीसदी बढ़ा संक्रमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और मौतों ने एक बार फिर दुनियाभर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नौ हफ्तों की गिरावट के बाद विश्व में संक्रमण के मामलों में पिछले हफ्ते 10 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। इसके चलते पाबंदियों का एक और दौर शुरू हो रहा है। जिससे जनजीवन के सामान्य होने की उम्मीद कमजोर होती जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ;डब्लूयूएचओद्ध ने बुधवार को बताया कि लगातार नौ हफ्तों की गिरावट के बाद मौत की संख्या में भी वृद्धि हुई है। संक्रमण से पिछले हफ्ते 55ए000 से अधिक लोगों ने जान गंवाई। जो इससे पहले वाले हफ्ते के मुकाबले तीन प्रतिशत अधिक है। वहीं संक्रमण के मामलों में पिछले हफ्ते करीब 10 फीसदी यानी की लगभग 30 लाख की वृद्धि हुई। इनमें से सबसे अधिक मामले ब्राजीलए भारतए इंडोनेशिया और ब्रिटेन में आए।डब्लूयूएचओ ने कहा कि कई देश बाकी की सभी एहतियातों को हटाने के दबाव का सामना कर रहे हैं। लेकिन डब्लूयूएचओ ने आगाह किया कि सही तरीके से ऐसा करने में नाकाम रहने पर संक्रमण को और फैलने का मौका मिलेगा। वहीं जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉण् डेविड डाउडी ने आगाह किया कि यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि कोविड में विस्फोटक तरीके से संक्रमण फैलाने की क्षमता है।विश्वभर में कोरोना महामारी के संक्रमितों की संख्या बढ़कर 18ण्93 करोड़ से अधिक हो गई है। जबकि अब तक इसके कारण 40ण्76 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया में कोरोना संक्रमितों के मामले में भारत दूसरे और मृतकों के मामले में तीसरे स्थान पर है। ब्राजील संक्रमितों के मामले में अब तीसरे स्थान पर है तथा कोरोना से हुई मौतों के मामले में विश्व में दूसरे स्थान पर है। अमेरिका में कोरोना से अब तक सबसे ज्यादा 6ण्23 लाख लोगों की मौत हुई है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है तालिबान पर हवाई हमले को पाकिस्तान ने रोका, अफगानिस्तान को दी थी धमकी

काबुल (एजेंसी)। आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए दुनियाभर में कुख्यात पाकिस्तान तालिबान के लिए भी ढाल है। अफगानिस्तान को धमकी देकर उसने तालिबान पर एयरस्ट्राइक करने से रोक दिया है। स्पिन बोल्डक और कांधार में अफगान एयर फोर्स ने तीन ।29 लड़ाकू विमान से हवाई हमले की तैयारी की थीए लेकिन पाकिस्तान की ओर से ताजा धमकियों के बाद इसे रोक दिया गया। एक न्यूज ने सूत्रों के हवाले से यह खबर देते हुए कहा है कि अफगान एयर फोर्स को चेतावनी दी गई थी कि वे सीमा के नजदीक आ रहे हैं। अफगान सेना के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें चमन और स्पिन बोल्डक में अंतरराष्ट्रीय सीमा से कम से कम 18 किलोमीटर दूर रहने की चेतावनी दी गई थी। एक सैन्य विश्लेषक ने कहा कि सैन्य विमानों को किसी ऑपरेशन के दौरान दूसरे देश की सीमा से कम से कम 18ण्5 किलोमीटर की दूरी पर रहना होता है।

यह खबर ऐसे समय पर सामने आई है जब गुरुवार को प्रथम उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सलेह ने एक ट्वीट में कहा था कि पाकिस्तान एयरफोर्स ने अफगान सेना और एयरफोर्स को आधिकारिक चेतावनी दी है कि स्पिन बोल्डेक इलाके से तालिबान को हटाने की किसी कोशिश का मुकाबला किया जाएगा और पाकिस्तान एयरफोर्स की ओर से पीछे धकेला जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान एयरफोर्स की ओर से कुछ इलाकों में तालिबान की मदद की जा रही है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा है कि प्रथम वाइस प्रेजिडेंट की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया जाता है। पाक ने कहा कि उसने अपनी जमीनए सैनिकों और आबादी की रक्षा के लिए कुछ जरूरी कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने कहाए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान से इस बात की इच्छा जाहिर की थी कि वे पाकिस्तान के चमन सेक्टर के पीछे एयर ऑपरेशन करना चाहते हैं। पाकिस्तान ने इसका सकारात्मक रूप से जवाब दिया और कहा कि उन्हें अपनी जमीन पर कार्रवाई का हक है।श्श् पाकिस्तान ने उपराष्ट्रपति के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान एयरफोर्स ने अफगानिस्तान एयरफोर्स से कोई बात नहीं की है। पाकिस्तान के जवाब के बाद सलेह ने पूर्व लिखित बयान बताया।

सोचा नहीं भारतीय एजेंसियां मुझे किडनैप करने की कोशिश करेंगी, एंटीगुआ पहुंच कर बोला भगोड़ा मेहुल चोकसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी डोमिनिका में जमानत मिलने के बाद एंटीगुआ एवं बारबुडा पहुंच गया है। डोमिनिका में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश के आरोप में वह 51 दिन तक वहां पर हिरासत में रहा। भारत से फरार होने के बाद चोकसी 2018 से एंटीगुआ एवं बारबुडा में रह रहा हैए उसने वहां की नागरिकता भी ले ली है। चोकसी के खिलाफ डोमिनिका में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करने का आरोप हैए जबकि उसके वकीलों ने दावा किया है कि यह उसके अपहरण की साजिश थी। एंटीगुआ लौटने के बाद मेहुल चोकसी ने भारतीय एजेंसियों पर आरोप मढ़ा है। डोमिनिका उच्च न्यायालय ने चोकसी ;62द्ध को इलाज कराने के लिए जमानत दी है। मेहुल चोकसी ने न्यूज एजेंसी श्।छप्श् से बातचीत में कहा कि श्मैं अब वापस घर आ गया हूं। लेकिन इस टॉर्चर ने मुझे मनोवैज्ञानिक और शरीरीक रुप से हमेशा के लिए डरा दिया है। मैं कभी सोच नहीं सकता कि अपने सारे व्यापार बंद करने और सभी प्रॉपर्टी को सीज़ कराने के बाद भारतीय एजेंसियां मुझे किडनैप करने की कोशिश कर सकती हैं।

दशकों बाद जर्मनी में ऐसा संकट, भयंकर बाढ़ में अब तक 103 की मौत, 1000 से ज्यादा लापता

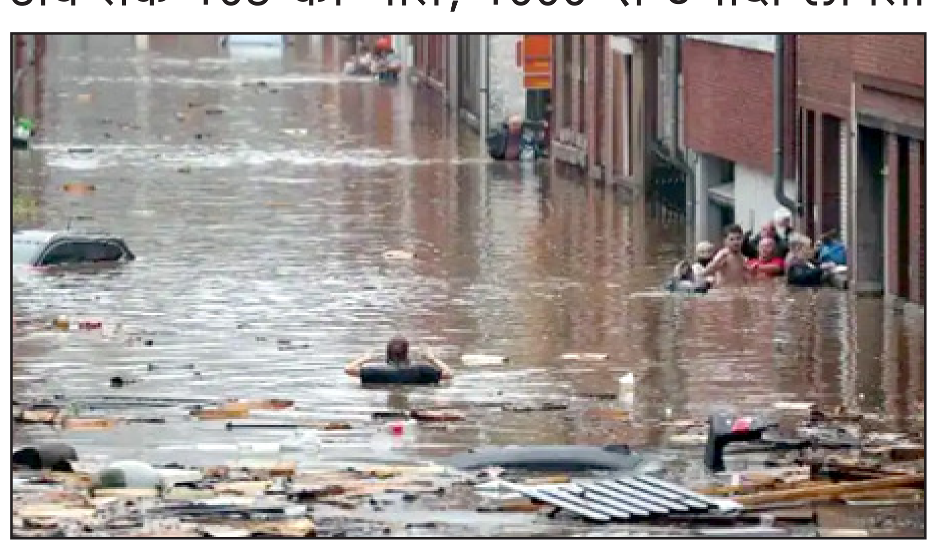

बर्लिन (एजेंसी)। बरसों बाद जर्मनी बाढ़ से इस कदर बेहाल है। देश के पश्चिमी हिस्से में भयंकर बाढ़ ने जहां कम से कम 103 लोगों की जान ले ले ली है तो वहीं एक हजार से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस बीच एक और बांध में दरार आने से संगट बढ़ता दिख रहा है। उत्तरी रिने वेस्टफालिया और राइनलैंड.पैलेटिनेट में उफनाई नदियों का पानी कस्बों और गांवों में घुस चुका है। राइनलैंड.पैलेटिनेट की प्रीमियर मालु ड्रेयर ने प्रसारर्क क्थ् को बतायाए श्दिक्कतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।श् उन्होंने यह भी बताया कि केवल उनके राज्य में 50 से अधिक लोगों की जान गई है। बुनियादी ढांचें पूरी तरह नष्ट हो गए हैं और पुनर्निर्माण पर काफी पैसा खर्च करना होगा।

पड़ोसी राइने.वेस्टफालिया के अहरवीलर जिले में करीब 1300 लोग लापता हैं। बाढ़ग्रस्त कई इलाकों में मोबाइल नेटवर्क ठप पड़ चुके हैं। इस वजह से लोग अपनों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। एर्फ्.टस्टाट में कोलोगने के पास शुक्रवार सुबह कई मकान गिर पड़े और बचावकर्मियों को लोगों को बचाने में काफी संघर्ष करना पड़ा। लोग चेतावनी के बावजूद अपने घरों में चले गए थे। बताया जा रहा है कि बडी संख्या में लोग अभी भी अपने घरों में फंसे हुए हैं और कई लापता हैं। राहत और बचाव कार्य में गैस लीक से परेशानी उत्पन्न हो रही है। बेल्जियम की सीमा के पास एक बांध रातभर में लबालब हो गया तो कई और बांध टूट चुके हैं। 1962 के बाद पहली बार किसी प्राकृतिक आपदा में जर्मनी में इतने लोग मारे गए हैं। इससे पहले 1962 में आई बाढ़ में 340 लोग मारे गए थे।